हरिभूमि
भिवानी-दादरी भूमि
रोहतक, रविवार, 14 जनवरी 2024

11 1100 कलश व श्रीराम ध्वजा के साथ निकाली ...

12 10 वाहनों के 5.50 लाख के काटे चालान

SANSKARAM GROUP OF SCHOOLS

जीतें **एक लाख** तक की स्कॉलरशिप

SANSKARAM SCHOLARSHIP UNIVERSE

टैलेंट आपके बच्चे का, स्कॉलरशिप हमारी।

APPLICABLE FOR 5th to 12th CLASS

REGISTRATION FROM 1st Jan. to 14th Jan. 2024

Exam Date : 21st Jan. 2024

Exam Timing : 11:00 AM to 12:00 PM

Venue : Jhajjar Campus & Pataude Campus

NCERT Syllabus of the same class will be there in exam

Exam Pattern - Objective Type

Class	Subjects (20 Questions Each)	Marks	Duration
5th to 10th	Science, S.S , Maths, Reasoning	80	60 Min.
11th & 12th (Science)	Physics, Chemistry, Maths, Biology	80	60 Min.
11th & 12th (Commerce)	Economics, Accounts, B St, Maths	80	60 Min.
11th & 12th (Arts)	English, Pol. Sci., Geography, Reas.	80	60 Min.

Announcing Our Dream Project

शिक्षा सारथी बालिका छात्रवृति

Applicable for Classes 9th to 12th

लाभार्थी

सभी छात्राएं जो अपने अभिभावकों की इकलौती संतान हैं।

SANSKARAM UNIVERSITY

From Campus to Global Stage
Fostering Leadership in Every Student

Discover Endless Possibilities...

COURSES OFFERED

LAW & LEGAL STUDIES
LLB • BBA LLB • BA LLB • BLS • LLM

VETERINARY & ANIMAL HUSBANDRY
B.V.Sc & AH • VLDD

MANAGEMENT & COMMERCE
BBA(H) • BCA(H) • B.Com(H) • MCA • MBA

MEDICAL & ALLIED SCIENCE
B. Pharmacy • D.Pharmacy

Agriculture - B.Sc (Hons)

BASIC & APPLIED SCIENCE
B.Sc (Pass) Med. & Non Med • B.Sc (Pass) Computer Sci., Zoology, Botany, Forensic, Physics, Chemistry, Maths
M.Sc : Zoology, Botany, Forensic, Physics, Chemistry, Maths

LIBERAL EDUCATION
BA(Hons)Eng • BA(Pass) • MA English, Maths

LIBERAL EDUCATION
BMLT(Bechelor in Med. Lab. & Tech.) • YOGA • MUSIC

SANSKARAM UNIVERSITY
Near N.H - 71, Pataude, Delhi - NCR, Jhajjar (Haryana)
Call : +91 8397970811 | +91 8397970812

JHAJJAR CAMPUS :+91 8222889860,62 | PATAUDA CAMPUS :+91 9053007801,02

खबर संक्षेप

चिट्टा सप्लाई करने वाली महिला सप्लायर पकड़ी

हांसी। जिलेभर में नशे के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान में थाना शहर हांसी पुलिस ने चिट्टा सप्लाई करने वाली असल महिला सप्लायर को गिरफ्तार किया गया है। आरोपित महिला की पहचान सांई कालोनी निवासी कांता के रूप में हुई है। आरोपित महिला कांता ने अपनी ही बहन साई कॉलोनी हांसी अनीता को गत दिनों पहले 6 ग्राम चिट्टा सप्लाई किया था।

हत्यारोपियों का साथ देने वाला आरोपी गिरफ्तार

हांसी। पुलिस की स्पेशल स्टाफ टीम ने प्रदीप उर्फ काला बडाला की हत्या करने के मुख्य आरोपियों का साथ देने वाले एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया है। आरोपित की पहचान गांव जमावड़ी व हाल मुलतान कॉलोनी निवासी विकास के रूप में हुई है।

संयुक्त भारतीय धर्म संसद का मिलन समारोह आज

हिसार। संयुक्त भारतीय धर्म संसद हरियाणा की ओर से 14 जनवरी रविवार को मिलन समारोह का आयोजन किया जाएगा। संसद के राष्ट्रीय महामंत्री रामफल शर्मा पाबड़ा वाले ने बताया कि लोहड़ी एवं मकर संक्रांति के अवसर पर समारोह का आयोजन सेक्टर 27-28 इंडस्टीयल एरिया में बीएसएनएल एक्सचेंज के सामने किया जाएगा।

बधावड़ में आज होगी खेल प्रतियोगिताएं

बरवाला। गांव बधावड़ में 14 जनवरी को डीवाईएफआई की और से मकर संक्रांति के अवसर पर युवाओं की 100 मीटर रेस, बुजर्गों की रेस, महिला रेस व रस्साकशी आदि खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा। भारत की जनवादी नौजवान सभा के जिला प्रधान जितेंद्र बूरा ने बताया कि प्रतियोगिता का उद्घाटन सभा के पूर्व नेता दिनेश सिवाच व जिला सचिव मुकेश दुर्जनपुर करेंगे।

जन्ममहोत्सव पर कार्यक्रम आज

हिसार। हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी श्रीश्री 1008 श्री गुरु ब्रह्मानंद महाराज का 35 वां जन्महोत्सव 14 जनवरी को बड़े हर्षोल्लास के साथ कैमरी रोड ज्ञानदीप सेवार्थ आश्रम मनाया जाएगा। आश्रम के गद्दीनशीन परमपूज्य स्वामी राजेश्वरानंद महाराज ने बताया कि 14 जनवरी को सुबह विद्वान ब्राह्मणों द्वारा हवन यज्ञ किया जाएगा। उसके उपरांत देशी घी का विशाल भंडारा लगाया जाएगा व समस्त साधु समाज को गर्म कंबल का वितरण होगा।

नौकरी के बदले नियम वापस लेने की मांग

हिसार। लोकस्वराज पार्टी के हरियाणा अध्यक्ष अनिल शर्मा सातरोड़िया ने प्रदेश सरकार द्वारा प्रदेश से बाहर के नगारिकों को सरकारी नौकरी देने के लिए बदले गए नियम का पुरजोर विरोध किया है। शर्मा ने कहा कि भाजपा सरकार को इस नियम को तुरंत प्रभाव से वापिस लेना चाहिए ।

राष्ट्रीय युवा दिवस पर प्रतियोगिता का आयोजन

हिसार। राष्ट्रीय युवा दिवस पर इंदिरा देवी चैरिटेबल ट्रस्ट के परिसर में विद्यार्थियों के लिए विभिन्न स्पधाअरं का आयोजन किया गया। भाषण, कविता व नृत्य प्रतियोगिता में बच्चों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। इस कार्यक्रम के दौरान भाजपा शहरी मंडल उपाध्यक्ष व जिला संयोजक पूर्वांचल केपी गुप्ता मुख्यातिथि के रूप में उपस्थित रहे।

वैश्य महाविद्यालय के प्रांगण में लोहड़ी मिलन समारोह का आयोजन

सर्दी की विदाई एवं बसंत के आगमन का पर्व है लोहड़ी मिलन : गोयल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

वैश्य महाविद्यालय प्रांगण में शनिवार को स्टाफ सदस्यों द्वारा लोहड़ी मिलन समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य डॉ संजय गोयल,महाविद्यालय स्टाफ सदस्यों एवं छात्र छात्राओं ने लोहड़ी कि अग्नि के समक्ष अपनी संस्कृति के अनुरूप आपसी भाई चारे की मिशाल कायम की । कार्यक्रम का शुभारंभ परंपरागत रूप से लोहड़ी का गीत गाकर किया गया। कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए प्राचार्य डॉ. संजय गोयल ने कहा कि लोहड़ी मिलन सर्दी की विदाई और बसंत ऋतु के आगमन का पर्व है। उन्होंने कहा कि समाज में सामजसय लाने के लिए परंपरागत त्योहारों का मनाया जाना बहुत जरूरी है।

भिवानी। लोहड़ी पर्व पर आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित कॉलेज स्टाफ व अन्य।

उन्होंने कहा कि लोहड़ी एवं मकर संक्रांति आपसी भाईचारे का प्रतीक है। परंपरागत त्योहारों की विलुप्त होती संस्कृति और सभ्यता से आज की युवा पीढ़ी को इससे अवगत कराना जरूरी है। इनकी रुचि तभी बनेगी जब ऐसे त्योहारों को हर्ष और उल्लास के साथ स्टाफ और विद्यार्थियों को साथ लेकर मनाया जाएगा। इस अवसर पर पवित्र अग्नि में रेवड़ी और मुंगफली डालकर विश्वशांति की कामना की गई और सभी को रेवड़ी और मूंगफली वितरित की गई।

चौधरी बंसीलाल विश्वविद्यालय में मनाया गया लोहड़ी एवं मकर संक्रांति का त्योहार

भिवानी। चौधरी बंसीलाल विश्वविद्यालय के प्रेम नगर स्थित नए परिसर में लोहड़ी एवं मकर संक्त्रांति का त्यौहार बड़े धूमधाम से मनाया गया। विश्वविद्यालय के शैक्षणिक एवं गैर शैक्षणिक कमचारियों द्वारा कुलपति प्रोफेसर राजकुमार मित्तल एवं कुलसचिव डॉ. ऋतु सिंह के संग लोहड़ी एवं मकर संक्त्रांति का त्यौहार मनाया और एक दूसरे को बधाई दी। विश्वविद्यालय की महिला कर्मचारियों ने लोहड़ी एवं मकर संक्त्रांति के त्यौहार के पारंपरिक मंगल गीत गाए और लोहड़ी की परिक्त्रमा की। इस अवसर पर कुलपति प्रोफेसर राजकुमार मित्तल एवं कुलसचिव ने संयुक्त रूप से कहा कि लोहड़ी एवं मकर संक्त्रांति के दोनों त्यौहार सुख,शांति,समृद्धि और खुशहाली के प्रतीक हैं।

लोहड़ी पर्व पर आयोजित रक्तदान शिविर में 90 रक्तदाताओं ने किया रक्तदान

तोशाम। नेशनल सोशल आर्गेनाइजेशन भिवानी शाखा द्वारा लोहड़ी व मकर सक्त्रांति के पावन अवसर पर केडिया धर्मशाला मे रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम मे मुख्य अतिथि के रूप मे जिला पार्षद व प्रसिद्ध समाजसेवी व एनएसओ लाइफटाइम मेंबर मुकेश कुमार डालमिया ने शिरकत की और रक्तदाताओं को अमूल्य रक्तदान के लिए धन्यवाद देते हुए लोहड़ी व मकर सक्त्रांति की शुभकामनाये दी और युवाओं को सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ने का सन्देश दिया। कार्यक्रम का आयोजन शिक्षाविद एवं प्रसिद्ध समाजसेविका व एनएसओ लाइफ टाइम मेंबर डॉ. सुनीता जनावा की अध्यक्षता मे किया गया और उन्होंने एनएसओ के कायारे की विस्तार से जानकारी दी और जरूरतमंदो की सेवा को प्रमुख कर्म बताकर युवाओं को सकारात्मक कायारे मे भाग लेने के लिए प्रेरित किया। इस दौरान अग्रोहा मेडिकल कॉलेज की टीम इंचार्ज डॉ. ऋचा की अगुवाई मे टीम ने 90 यूनिट ब्लड एकत्रित किया। कार्यक्रम मे विशिष्ट अतिथि बाबूलाल जिंदल, नवीन कुमार सूरतपुरिया, राजेंद्र फोगला, अमित कुमार लोहिया, डॉ. विनय पुनिया, भारत विकास परिषद शाखा से सावरमल, सेठ मेघराज जिंदल राजकीय महाविद्यालय के प्रिंसिपल डॉ. सत्यपाल, डॉ. राजकुमार, मंडल अध्यक्ष लाल सिंह लाल, यूनियन बैंक सिवानी, पत्रकार मनोज जांगड़ा, संदीप वर्मा, सुभाष पंवार, पवन सासवत, ज्ञानीराम आदि सदस्य व गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

विधायक ने वितरित किए चारे की राशि के चेक

■ सीएम मनोहर लाल ने गोशाला संचालकों को मकर संक्रांति पर भेजी राशि

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

शनिवार को विधायक घनश्याम सर्राफ ने गांव नीमड़ीवाली व गांव बामला की श्री मातूराम आर्य गोशाला पहुंचकर सीएम मनोहर लाल की तरफ से गायों के चारे के लिए सहायता राशि का चेक भेट किया। ताकि उक्त राशि से गायों के लिए चारे की व्यवस्था की जा सके। विधायक घनश्याम सर्राफ ने कहा कि सीएम मनोहर लाल ने मकर सक्रांति पर गायों के चारे के लिए राशि भेजकर एक अति पुण्य का कार्य किया है। क्योंकि इस दिन आमजन गायों की सेवा व उनके चारे की व्यवस्था करते है।

भिवानी। गोशाला में चारे के लिए राशि का चेक देते विधायक घनश्याम सर्राफ।

इससे पूर्व विधायक घनश्याम सर्राफ ने गायों को गुड़ भी खिलाया। उन्होंने कहा कि सीएम मनोहर लाल गायों की सेवा तथा गौशालों में अनेक तरह की सुविधाएं उपलब्ध करवाने के लिए आए दिन अनेक योजनाएं लागू कर रहे है। हाल ही में प्रत्येक गौशाला मे रखी गई गायों के चारे के लिए सहायता राशि का चेक जारी किया है। ताकि गौशाला प्रबंधक उक्त राशि से गायों के लिए चारे की व्यवस्था कर सके। प्रदेश सरकार के गौशाला में सुविधाओं के लिए खजाने लबालब है। उगेखनीय है कि सीएम मनोहर लाल ने मकर संक्राति पर गायों के चारे के लिए राशि का चेक जारी किया है।

ये रहे मौजूद

इस मौके पर भोलू चेयरमैन, कर्मबीर ग्रेवाल, डॉ. कृष्ण पंडित, समुंद्र बामला, शंकुतला प्रधान के अलावा अनेक गणमान्य लोग मौजूद थे।

कोशिश एक पहल संस्था ने जरूरतमंदों के बीच की लोहड़ी-मकर संक्रांति मनाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

■ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के अंत्योदय के विचारों से प्रभावित है संस्था

ठिठुरती ठंड में जरूरतमंदों को राहत पहुंचाने के उद्देश्य एवं लोहड़ी एवं मकर सक्त्रांति पर्व के उपलक्ष्य में कोशिश एक पहल संस्था द्वारा शनिवार को स्थानीय कोर्ट कैंपस के नजदीक जरूरतमंदों को कंबल एवं मिठाई भेंट की गई।

इस मौके पर मुख्य रूप से भाजपा के पूर्व जिला अध्यक्ष शंकर धूपड़ए जिला महामंत्री हर्षवर्धन मान एवं जिला मीडिया प्रभारी रोहताश चौहान पहुंचे। मुख्यअतिथियों ने कोशिश एक पहल संस्था संस्था के सराहनीय कदम की प्रशंसा करते हुए कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रमों से एक तरफ जहां जरूरतमंदों को खासा लाभ मिलता है तो वही उनके साथ त्यौहारों की खुशियां सांझा करने का भी अवसर मिलता है। जिससे अन्य लोगों में भी जरूरतमंदों की सेवा का भाव जागृत होता है। इस मौके पर कोशिश एक पहल संस्था संस्था की प्रधान प्रियंका धूपड़ ने कहा कि कोशिश एक पहल संस्था समाज में समाज के वंचित व पिछड़े हुए लोगों को समर्पित है तथा उनके उत्थान की दिशा में कार्यरत्त है। उन्होंने कहा कि वे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के अंत्योदय के विचारों से काफी प्रभावित है तथा उन्हीं से प्रेरित होकर सामाजिक काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि उनका उद्देश्य प्रत्येक जरूरतमंद व्यक्ति तक लाभ पहुंचाना है। इस अवसर पर उमा धोपड़ा सचिव, अकुंश शर्मा कोषाध्यक्ष,कविता चौहान सदस्य, डॉ. राहुल मिढ्ढा ऐम्स दिल्ली, श्रीयांश धोपड़ा वोलेंटीयर,अमन सोनी वोलेंटीयर, पुरूजंय सोनी आदि मौजूद रहे।

शिव कल्याण और शांति के पर्याय

■ जहरगिरी की पुण्यतिथि के उपलक्ष्य में जारी शिव कथा दूसरे दिन भी रही जारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

परमहंस बाबा जहरगिरी दातार की पुण्यतिथि पर 19 जनवरी को आयोजित होने वाले वार्षिक भंडारे एवं संत समागम की कड़ी में हालुवास गेट स्थित सिद्धपीठ बाबा जहरगिरी आश्रम में शिव पुराण कथा का आयोजन आश्रम के पीठाधीश्वर अंतर्राष्ट्रीय श्रीमहंत जूना अखाड़ा डाण अशोक गिरी महाराज के सान्निध्य में आयोजित किया जा रहा है। शनिवार को कथा के दूसरे दिन कथा का वाचन करते हुए कृष्णानंद महाराज ने कहा कि शिवपुराण की कथा हम सबके कल्याण एवं अशांत व भटकते व्यक्ति को सही मार्गदर्शन देने की कथा है। उन्होंने बताया कि शिव कल्याण और शांति के ही पर्याय हैं। शिव पुराण के लिए हमारी भक्ति में निरंतरता और श्रध्दा.आस्था में अखंडता होना चाहिए। पाप-पुण्य का बोध सत्संग से ही होगा।

भिवानी। आयोजित सत्संग में प्रवचन करते हुए। फोटो :हरिभूमि

'आहार दान किसी उपासना से कम नहीं'

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

एक साधारण सद्गृहस्थ जिस ढंग से गृह कार्यों में लगा रहता है प्रत्यक्ष अथवा अप्रत्यक्ष रूप से कुछ भी हिंसा रूप में पाप होते रहते हैं। ऐसे में आत्मोन्नति अथवा प्रभु को घर बुलाने का एक सरल उपाय है, भूखे को भोजन तन ढकने को वस्त्र। नारायण इस जगत में सबसे मिलिए धाय। न जाने किस रूप में नारायण मिल जाए। आहार दान के रूप में अन्नादि का दान सद्गृहस्थ के लिए जीवन का सबसे उत्तम अवसर है। बहुत लोग हैं जो देना चाहते हैं किंतु देने का विधान नहीं जानते। किन्हें किस प्रकार से क्या देना है यह सब बोध गुरूदेव.आचार्य की चरण शरण में लेना चाहिए। श्री अध्यात्म साधना केंद्र एवं श्री गीता विहारी गोसदन रोहतक रोड भिवानी में पावन प्रांगण में मकर संक्रांति के उपलक्ष्य में आयोजित असहाय सेवा यज्ञ एवं गोगोपाल पूजन महोत्सव में पूज्य गुरूदेव डॉ.स्वामी दिव्यानंद ने कहा कि कहीं कहीं जैन धर्म में प्रज्ञावान महामुनि तो कई प्रकार से दान देना मानते हैं, जिसमें धर्म पूर्वक अन्न धन का सदुपयोग कर अर्थ को अनर्थ होने से बचा लेना भी दान है। दीन दुखियों के प्रति अनुग्रह भावना से दान दिया ही जाता है। जिसे दया दत्ती कहा है, वही सब में नारायण दृष्टि से आहार दान किसी पूजा उपासना से कम भी नहीं है। गोशालाओं और धर्मालयों में सहयोग देना वस्तुतः यह पात्र दान है। एक सद्गृहस्थ द्वारा तो यह यज्ञ होता ही रहना चाहिए। आज इस अवसर पर जोगी मठ भिवानी के परमाध्यक्ष महंत वेद नाथ एवं हनुमान जोहड़ी महंत चरण दास कृपापूर्वक पधार कर ज्योति प्रज्जवलित कर सबको आशीर्वाद दिया तथा संजय खंडेलवाल, देवराज मेहता, कर्ण मिर्ग, प्रेम चौहान, राकेश कटारिया, सुदर्शन ढेमला आदि मौजूद रहे।

भिवानी। भिवानी श्री गीता विहारी गोसदन पू य गुरूदेव डॉ.स्वामी दिव्यानंद गौ गोपाल पूजन करवाते।

फौजी ने कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष से मुलाकात की

■ अध्यक्ष खरगे से मेनिफेस्टों में सेना के अग्निवीर खत्म कर रेगूलर भर्ती को शामिल करने की गुजारिश की

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

सोनीपत लोकसभा के प्रभारी एवं पूर्व सीपीएस रामकिशन फौजी ने कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मगिअर्जुन खड़गे, राष्ट्रीय संगठन महामंत्री केसी वेणुगोपाल, हरियाणा प्रभारी दीपक बाबरिया से मुलाकात की।

प्रदेश में कांग्रेस की मजबूती को लेकर चर्चा की। साथ ही उन्होंने पार्टी अध्यक्ष श्री खरगे से कांग्रेस के चुनावी मेनिफेस्टों में अग्निवीर को खत्म करके सेना में युवाओं की रेगूलर भर्ती को शामिल करने की गुजारिश की। भाजपा द्वारा सेना में लागू की गई अग्निवीर योजना से युवाओं का भविष्य अंधकारमय हो गया। सेना में नियुक्ति पाने के बाद फिर से वे बेरोजगार हो रहे है।

भिवानी। कांग्रेस राष्ट्रीय अध्यक्ष से मुलाकात करते हुए। फोटो :हरिभूमि

भाजपा की नीतियों की वजह से युवा दर दर की ठोकरे खाने पर मजबूर है। इस पर पार्टी अध्यक्ष खरगे सहमति जताई और सेना में अग्निवीर व्यवस्था को खत्म करने के मामले को मेनिफेस्टों में शामिल करने का भरोसा दिलाया। इस मौके पर फौजी ने अध्यक्ष को भरोसा दिलाया कि वे सभी के सहयोग से कांग्रेस को हर घर तक लेकर जाएंगे। ताकि कांग्रेस को ओर मजबूती मिल सके। लोगों के समक्ष भाजपा की जनविरोधी नीतियां व कांग्रेस की जनहित की नीतियों से रूबरू करवाया जाएगा। लोकसभा में ज्यादा से ज्यादा सीटें जीताकर देश में ताजपौशी करवाई जाएगी।

कम नहीं हो रही हाड़ कंपकंपा देने वाली ठंड, घने कोहरे ने रोकी रफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

जिले में पिछले एक पखवाड़े से पड़ी रही हाड कंपकंपा देनी वाली ठंड कम होने का नाम नहीं ले रही है। शनिवार की सुबह भी घने कोहरे और भीषण ठंड लेकर आई। हालांकि कल के मुकाबले में शनिवार को न्यूनतम पारे में थोड़ी बढ़ोतरी तो जरूर दर्ज की गई लेकिन ठंड कम होने पर कोई प्रभाव नहीं पड़ा। हिसार का तापमान कल की तुलना में 1 डिग्री सेल्सियस की बढ़ोतरी सहित 3.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया वहीं निकटवर्ती गांव तापमान में 3 डिग्री सेल्सियस से ज्यादा वृद्धि दर्ज की गई। बालसमंद का तापमान 3.9 डिग्री दर्ज किया गया। शुक्रवार को 0.4 डिग्री सेल्सियस के साथ बालसमंद प्रदेश में सबसे ठंडा क्षेत्र था। आज सुबह के समय जहां घने कोहरे से दृश्यता काफी कम थी, ठंड ने जनजीवन को प्रभावित किया हुआ था। मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार अगले दो-तीन और सर्दी से राहत मिलने की उम्मीद नहीं है।

अंडरपास के ऊपर से गाड़ी गिरी, चालक गंभीर

हिसार। सूर्यनगर फाटक पर निर्माणाधीन अंडरपास और ओवरब्रिज के दौरान शनिवार देर शाम को हादसा हो गया। गाड़ी चालक अंडरपास के सीमेंट ब्लॉक के ऊपर से गाड़ी समेत अंडरपास के रास्ते पर गिर गया। इस दौरान अंडरपास से कई वाहनों भी आवागमन कर रहे थे। अगर गाड़ी नीचे से गुजर रहे अन्यों वाहनों पर गिर जाती तो हादसा और बड़ा भी हो सकता है। इस दौरान राहगीरों ने गाड़ी चालक को गाड़ी से तुरंत बाहर निकाला और उसे उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती करवाया। जहां उसकी हालत चिंताजनक बनी हुई है। उधर, सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंच गई। मौके पर पहुंचे क्षेत्रवासियों ने आरोप लगाया कि लोक निर्माण विभाग की लापरवाही के कारण यह हादसा हुआ है।

आरोप फर्जी मुठभेड़ मामले में जल्द ही हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटा सकते हैं परिजन

पुलिस प्रशासन की कार्रवाई में देरी को लेकर रोष जताया

■ जांच के नाम पर शिकायतकर्ता को प्रताड़ित करने का आरोप

हरिभूमि न्यूज ▶▶| चरखी दादरी

फर्जी मुठभेड़ और 10 लाख की रिश्वत मामले में कार्रवाई की मांग के लिए शिकायकर्ता पक्ष का धरना शनिवार को जारी रहा।

पुलिस प्रशासन द्वारा कार्रवाई में देरी को लेकर रोष प्रकट किया और पुलिस की कार्यप्रणाली को लेकर प्रदर्शन किया। अधिवक्ता संजीव तक्षक ने बताया कि शनिवार को दोपहर 1 बजे उप-पुलिस अधीक्षक सुभाष चन्द्र ने शिकायतकर्ता बिजेन्द्र, संजय साहू व जगबीर को नोटिस देकर जांच में शामिल होने के लिए बुलाया था। जिसके बाद बिजेन्द्र को अलग से कमरे में रखा गया तो दो अन्य पुलिस अधिकारी मौके पर मौजूद रहे। जांच के नाम पर करीब दो घंटे तक बिजेन्द्र को परेशान किया गया।

रोज-रोज नए हथकंडे अपना रही पुलिस

शिकायतकर्ता बिजेन्द्र के अधिवक्ता संजीव तक्षक ने कहा कि पुलिस प्रशासन जांच के नाम पर रोज-रोज नए हथकंडे अपना रही है और कार्रवाई करने की बजाए जांच के नाम पर परिजनों को परेशान कर रही है। तक्षक ने पुलिस प्रशासन की इस कार्यप्रणाली को लेकर दो दिन में ही समाज के प्रतिनिधियों एवं गणमान्य की बैठक बुलाकर बड़ा कदम उठाने की घोषणा की और साथ पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय में याचिका दायर करने की बात कही।

शिकायतकर्ता को प्रताड़ित भी किया और दबाव बनाया गया। उन्होंने शिकायतकर्ता बिजेन्द्र के बयान लिखे, सवाल-जवाब किए, लेकिन बिजेन्द्र से पूछताछ के नाम पर जांच टीम ने कागज पर जो लिखा उस पर बिजेन्द्र के अनपढ़ होने का फायदा उठाकर जबदरन व दबाव बनाकर हस्ताक्षर करवा लिए जबकि शिकायतकर्ता बिजेन्द्र ने उन पुलिस अधिकारियों से कहा कि बाहर खड़े उनके वकील के पढ़ने के बाद ही हस्ताक्षर करेंगे। बिजेन्द्र ने पुलिस अधिकारियों पर आरोप लगाया है कि तकनीकी पहलुओं पर जांच नहीं की गई तथा बिना पढ़े ही हस्ताक्षर करवा लिए बिजेन्द्र ने अब पुलिस प्रशासन की कार्यप्रणाली से अंदेशा जताया है।

खबर संक्षेप

उपायुक्त ने अफसरों को सौंपी जिम्मेदारी

भिवानी। चौ. बंसी लाल विवि का तृतीय दीक्षांत समारोह 15 जनवरी को गांव प्रेम नगर स्थित विवि के नए भवन परिसर में आयोजित किया जाएगा। समारोह मे हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय बतौर मुख्य अतिथि शिरकत करेंगे। राज्यपाल के कार्यक्रम को लेकर डीसी नरेश नरवाल ने संबंधित विभागों के अधिकारियों को जिम्मेवारी सौंपी है। इस दीक्षांत समारोह में पांच विद्यार्थियों को पीएचडी की डिग्री प्रदान की जाएगी। राज्यपाल द्वारा बी फार्मेसी के तीन विद्यार्थियों तथा पीजी के 19 विद्यार्थियों को गोल्ड मेडल प्रदान किया जाएगा।

प्रोफेसर डॉ.सुखबीर सिंह को मातृ शोक

लोहारू। चौ. बंसीलाल राजकीय महाविद्यालय के इतिहास विभाग के वरिष्ट प्रोफेसर डॉ सुखबीर सिंह की माता तारा देवी का 67 वर्ष की आयु में 9 जनवरी को स्वर्गवास हो गया। वे पिछले कुछ दिनों से बीमार चल रही थी। उनके निधन पर कालेज परिसर में शोक सभा का आयोजन कर दो मिनट का मौन धारण किया गया और दिवंगत आत्मा की शांति के लिए भगवान से प्रार्थना की गई। तारा देवी अपने पीछे दो पुत्र डॉ सुखबीर सिंह, अशोक कुमार सहित भरा पूरा परिवार छोड़ गई हैं। उनके निधन पर चौ बंसीलाल कालेज स्टाफ सदस्यों ने शोक प्रकट किया है।

'बच्चों के सर्वांगीण विकास में सहायक होते हैं कैंप'

भिवानी। राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में 5 दिन से चल रहे लाइफ स्किल डेवलपमेंट कैंप का समापन हुआ । इस कैंप के दौरान अलग.अलग तरह की एक्टिविटीज बच्चों को करवाई गई जिनमें अलग.अलग विभागों से रिसोर्स पर्सन्स को बुलाया गया। इनमें मुख्य रूप से रेड क्रॉस से प्रवक्ता संजय कामरा, पंजाब नेशनल बैंक से सीनियर मैनेजर विपिन कुमार, हॉर्टिकल्चर विभाग से डॉक्टर विजेंद्र कुमार, आयुष विभाग से डॉक्टर निशा एवं पोस्ट ऑफिस से पोस्ट मास्टर अशोक कुमार और असिस्टेंट पोस्टमास्टर कृष्ण कुमार ने अलग.अलग दिन पहुंचकर बच्चों को अलग.अलग तरह की स्किल डेवलप करने के तरीके बताएं ।

लोगों से रायशुमारी कर लेंगे फैसला : सांगवान

दादरी। पूर्व सहकारिता मंत्री सतपाल सांगवान ने शनिवार को गांव नीमड़ी में जनसंपर्क अभियान के दौरान लोगों से रुबरू हुए और कहा राजनीतिक फैसले बारे चर्चा की। कहा कि वे गांव-गांव जाकर लोगों ने रायशुमारी कर रहे हैं और उनके अनुसार ही वे अपना राजनीतिक फैसला लेंगे।

पूर्व मंत्री सतपाल सांगवान ने लोगों से चर्चा करते हुए कहा कि क्षेत्र के विकास व उत्थान के लिए उनका 28 साल का राजनीतिक कैरियर रहा है। अब तक जनहित के लिए बिना किसी स्वार्थ के राजनीति की है। कहा कि वे फिलहाल किसी पार्टी में नहीं हैं और लोगों से भविष्य को लेकर रायशुमारी कर रहे हैं।

गोशालाओं में चारे के लिए जारी की राशि

भिवानी। मकर सक्रांति पर्व पर विधायक बिसम्बर वाल्मीकि ने सीएम की तरफ हलके के सात गांवों की गोशालाओं में पहुंचकर गायों के चारे की सहायता राशि के चेक वितरित किए। इस दौरान उन्होंने गांव सैय की गोशाला में अपने हाथों से गायों को गुड़ खिलाया। उन्होंने कहा कि गाय की सेवा से बढ़कर समाज में कोई पुण्य का कार्य नहीं है । सीएम मनोहर लाल गायों की सेवा तथा गोशालों में अनेक तरह की सुविधाएं उपलब्ध करवाने के लिए आए दिन योजनाएं लागू कर रहे है। हाल ही में गायों के चारे के लिए सहायता राशि का चेक जारी किया है।

कलश यात्रा के साथ 9 दिवसीय श्रीराम कथा का शुभारंभ

1100 कलश व श्रीराम ध्वजा के साथ निकाली भव्य यात्रा

श्रीराम कथा के सुनने से जीवन की दशा और दिशा दोनों हो जाती हैं ठीक: पूर्णेंदू

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

भिवानी। शहर में आयोजित क्लशयात्रा के दौरान उपस्थित महिलाएं।

अयोध्या में होने वाले भगवान राम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा समारोह के तहत श्रीसिल्वर हाउस के तत्वावधान में स्थानीय दिनोद गेट स्थित सालासर हनुमान मंदिर में आयोजित होने वाली 9 दिवसीय श्रीराम कथा का शुभारंभ शनिवार को कलश यात्रा के साथ हुआ। यह जानकारी देते हुए श्रीसिल्वर हाउस के संचालक एवं कथा के संयोजक समाजसेवी शिव शंकर कसेरा ने बताया कि यह कलश यात्रा सालासर हनुमान मंदिर से शुरू हुई तथा बिचला बाजार होते हुए वापस सालासर हनुमान मंदिर में संपन्न हुई।

इस दौरान 1100 कलश एवं श्रीराम ध्वजा के साथ बड़ी संख्या में महिलाओं ने हिस्सा लिया। कलश यात्रा का शहर में विभिन्न स्थानों पर पुष्प वर्षा के भव्य तरीके से स्वागत किया गया। उन्होंने बताया कि श्रीराम कथा के दौरान भगवान श्री राम के पवित्र चरण पादुका के दर्शन सहित अन्य झांकियां विशेष आकर्षण का केंद्र रही। श्रीराम कथा में सान्निध्य खाखी बाबा मंदिर के महंत रामकृपालु दास का रहा। कार्यक्त्रम की अध्यक्षता मंगल आश्रम ट्रस्ट हरिद्वार से सुरेशानंद महाराज सरस्वती ने की। इस दौरान श्रीराम कथा में कथावाचक स्वामी पूर्णेन्दू वृंदावन धाम प्रत्येक दिन दोपहर 2 से शाम 5 बजे तक कथा का प्रवचन देगे। कलश यात्रा में राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के वरिष्ठ पदाधिकारी प्रदीप शर्मा भी विशेष तौर पर मौजूद रहे।

इस मौके पर कथावाचक स्वामी पूर्णेन्दू वृंदावन धाम ने कहा कि हिंदू रीति के अनुसार जब भी कोई पूजा की जाती है तो उसमें कलश की स्थापना करना अनिवार्य है। कलश को शांति का संदेश वाहक भी माना जाता है। उन्होंने कहा कि कलश यात्रा में में तीनों देव ब्रम्हाए विष्णु व महेश के साथ.साथ 33 कोटि देवी.देवता स्वयं कलश में विराजमान होते हैं। जो अपने सिर पर कलश धारण करता है उसकी आत्मा को ईश्वर पवित्र और निर्मल करते हुए अपनी शरण में ले लेते हैं। जिनके तमाम रोग दोष विकारों का भगवान हरण कर देते है।

कथावाचक स्वामी पूर्णेन्दू वृंदावन धाम ने कहा कि भगवान श्रीराम कण.कण में रमण करने वाली शक्ति है और श्रीराम की कथा श्रवण करने से इंसान भवसागर से पार हो जाता है। उन्होंने श्रीराम कथा के महत्व को बताते हुए जो भगवान की कथा को श्रवण कर अपने जीवन में चरितार्थ करते हैं तो उसका जीवन धन्य हो जाता है। श्री रामकथा के आध्यात्मिक पहलुओं पर चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि राम कथा परमात्मा की वाणी हैए इससे जीवन की दशा और दिशा दोनों ही ठीक हो जाती हैं। परमात्मा में अटूट विश्वास ही मानव को परमात्मा के करीब ले जाता है। उन्होंने श्री राम कथा के महत्व के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि प्रभु भक्ति मानव के जीवन के लिए अमृत समान है।

इस अवसर पर विश्व हिंदु परिषद के जिला अध्यक्ष प्रदीप बंसल, विश्व हिंदु परिषद के प्रदेश महामंत्री वरूण बजरंगी, बजरंग दल के जिला संयोजक आशीष बजरंगी, स्वास्थ्य शिक्षा सहयोग संगठन के प्रदेशाध्यक्ष बृजपाल सिंह परमार, इंद्रपाल नंबरदार कालु, शंकर लाल सिंगला सीएए, महावीर सोन, जयकिशन शर्मा, अमित गोयल, अजय गुप्ता, राजकुमार सैनी, आनंद बंसल, दुर्गेश झा,कृष्ण कसेरा सहित बजरंग दल के पदाधिकारियों समेत अनेक श्रद्धालुगण मौजूद रहे।

केएम पब्लिक स्कूल में से मनाया लोहड़ी पर्व

- विद्यालय अध्यक्ष मनीष सिंघानिया, प्रबंधक आनंद बासिया व कानूनी सलाहकार जितेंद्र गोयल ने दी बधाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

के एम पब्लिक स्कूल में लोहड़ी पर्व का आयोजन किया गया । इस अवसर पर विद्यालय अध्यक्ष मनीष सिंघानिया, प्रबंधक आनंद बासिया व कानूनी सलाहकार जितेंद्र गोयल, प्राचार्या रेनू सैनी, उप.प्राचार्या नीलम गौतम, प्रबंधन समिति सदस्य अमिता शमा, सुनील शर्मा, गतिविधि प्रभारी सारिका पंडित, रेखा श्योराण, विद्यालय स्टाफ व विद्यार्थियों द्वारा आग जलाकर सुंदर मुंदरि, हो मनमोहक गीत गाकर लोहड़ी पर्व बड़े हषारे्ल्लास के साथ मनाया गया । इस पर्व में रेवड़ी की मिठास ह, मेल जोल की भीनी.भीनी सी सुगंध है और अग्नि की तपन है । विद्यालय द्वारा विद्यार्थियों एवं स्टाफ में मूंगफली, रेवड़ी व गज्जक बांटी गई।

त्रुटि ठीक करवाने को पोर्टल 31 तक खुला

चरखी दादरी। सरकार द्वारा स्वामित्व योजना के तहत आमजन की भू-सम्पत्तियों की रजिस्ट्रियों का डाटा स्वयं सत्यापित करने व त्रुटियों, विवादों के विवरण के लिए पोर्टल पर 31 जनवरी तक खोला गया है। उपायुक्त मनदीप कौर ने बताया कि सरकार द्वारा लाल डोरा के अन्दर की भू-सम्पत्तियों का मालिकाना हक देने के लिए स्वामित्व योजना चलाई गई है। इस स्कीम के अन्तर्गत आमजन की भू-सम्पत्तियों की रजिस्ट्रियों का डाटा स्वयं सत्यापित करने व त्रुटियों व विवादों के विवरण हेतु 31 जनवरी तक आवेदन प्रस्तुत करने का अवसर प्रदान किया गया है। उन्होंने बताया कि इसके अतिरिक्त यदि लाल डोरा स्थित मकान का सम्पत्ति कार्ड नहीं मिला है।

भिवानी पब्लिक स्कूल ने मनाई लोहड़ी

- कार्यक्रम की शुरूआत स्कूल की निर्देशिका आशा पाहुजा, सचिव अधिवक्ता पुलकित पाहुजा ने की

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

भिवानी। लोहड़ी पर्व पर स्कूल में खुशी मनाते हुए। *फोटो : हरिभूमि*

भिवानी पब्लिक स्कूल द्वारा स्कूल के प्रांगण में लोहड़ी पर्व धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम की शुरूआत स्कूल की निर्देशिका आशा पाहुजा, स्कूल सचिव अधिवक्ता पुलकित पाहुजा व स्टाफ द्वारा लोहड़ी की अग्नि में तिल,मूंगफली, रेवड़ी डालकर सरबत के भले की कामना की गई। इस दौरान स्कूल अध्यापिकाओ ने बोलियों व ढोल की थाप पर लोहड़ी पर्व को सेलिब्रेट किया। इस अवसर पर स्कूल की निर्देशिका आशा पाहुजा ने स्टाफ को लोहड़ी व मकर संक्त्रांति की बधाई देते हुए कहा कि हमें अपने अंदर छुपी बुराइयों को त्याग कर हमेशा सत्य के मार्ग पर चलना चाहिए। उन्होंने कहा कि लोहड़ी की पावन अग्नि में तिल भेंट करते समय हमें संकल्प लेना चाहिए कि जो कार्य हम कर रहे हैं, उससे किसी का बुरा न हो। इस अवसर पर स्कूल सचिव अधिवक्ता पुलकित पाहुजा ने बताया कहा कि लोहड़ी पर्व का यह त्योहार हमें एकता संदेश देता है। उन्होंने कहा कि लोहड़ी का त्योहार प्रेम और भाईचारे, संस्कृति और उल्लास का पर्व है।

लोहड़ी पर हवन कर खुशहाली की कामना

भिवानी। कृष्णा कॉलोनी मार्केट एसोसिएशन द्वारा शनिवार को लोहड़ी एवं मकर संक्रांति का पर्व आपसी भाईचारे एवं सौहादर्य के रूप में मनाया गया। इस दौरान कृष्णा कॉलोनी स्थित सनातन धर्म मंदिर सदन में हवन.यज्ञ किया गया तथा सभी की खुशहाली की कामना की गई। इस दौरान उपस्थित सभी लोगों ने वैदिक मंत्रों से समाज में सुख.शांति की कामना के साथ आहुति डाली। इस मौके पर कृष्णा कॉलोनी मार्केट एसोसिएशन के प्रधान तकदीर सिंह ग्रेवाल ने कहा कि ने कहा कि लोहड़ी एवं मकर सक्त्रांति पर्व भारतीय संस्कृति का एक महत्वपूर्ण राष्ट्रीय, सामाजिक, एवं आध्यात्मिक मूल्य का पर्व है। यह का पर्व पूरे देश में अलग.अलग नामों से मनाया जाता है।

खानक पहाड़ को शीघ्र चलाने की मांग की

तोशाम। अखिल भारतीय किसान सभा भिवानी ने खानक में पहाड़ को चलाए जाने की मांग को लेकर खानक डाडम स्टोन क्त्रेशर एसोसियेशन व मजदूरों द्वारा संचालित धरने को पूर्ण समर्थन दिया है, ताकि सभी क्त्रेशर मालिकों, वाहन चालकों, मजदूरों व दुकानदारों को रोजगार मिल सके और जनता में रोड़ी, क्त्रेशर व बजरी का भाव जायज हो सके। किसान सभा के जिला उपप्रधान कामरेड ओमप्रकाश व युवा कल्याण संगठन के संरक्षक कमल सिंह प्रधान ने अपने संगठनों की ओर से धरने को समर्थन देते हुए कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि अक्तूबर से अब तक खानक डाडम पहाड़ नहीं चलाए जा रहे है,ढो लाख टन के पैसे और रायल्टी देने के बाद भी पहाड़ चालू नहीं किएए परिणामस्वरुप इलाके के 20 हजार से ज्यादा लोग बेरोजगार हो गए, उनको रोटी के लाले पड़े हुए हैं, सरकार के स्तर पर पह केवल हठधर्मिता है, उसे शीघ्र ये पहाड़ चलाने के आदेश देने चाहिएं।

गाय की सेवा से बड़ा कोई पुण्य नही : दलाल

- कृषि मंत्री जेपी दलाल ने गांव सैय की गोशाला में आयोजित कार्यक्रम को किया संबोधित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

भिवानी। एकत्रित लोगों को संबोधित करते कृषिमंत्री जेपी दलाल। *फोटो : हरिभूमि*

प्रदेश के कृषि एवं पशुपालन मंत्री जेपी दलाल ने कहा कि गाय की सेवा से बड़ा कोई पुण्य का कार्य नही है। सनातन धर्म में गोमाता का सबसे उपर स्थान है। हरियाणा सरकार ने गौ सेवा आयोग का बजट 40 से बढाकर 400 करोड़ रुपए किया है।

गोशाला के संचालन व गाय की सेवा में गांव के प्रत्येक घर से योगदान होना चाहिए, इससे गांव भी तेजी से फलता व फूलता है। गांव में समृद्घि व खुशहाली आती है। कृषि एवं पशुपालन मंत्री दलाल रविवार को गांव सैय की श्री श्याम गौशाला में आयोजित कार्यक्रम को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। कृषि मंत्री ने गोशाला को 11 लाख देने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि सैय उनके घर की तरह है। उन्होंने कहा कि गांव के विकास में किसी प्रकार की कमी नहीं दी जाएगी। ग्रामीणों द्वारा दी मांगों को मुख्यमंत्री मनोहर लाल से मिलकर पूरा करवाया जाएगा। दलाल ने कहा कि गौ माता में सभी देवताओं का वास होता है। जिस घर में गाय होती है, वहां खुशहाली अपने आप आ जाती है। उन्होंने पशुपालकों से आह्वड्डान करते हुए कहा कि वे जहर मुक्त खेती को अपनाए, क्योंकि रासायनिक उर्वकों के अंधाधुंध प्रयोग से कैंसर, बीपी, शूगर और ह्रदयघात जैसी लाइलाज बीमारियां पैदा हो रही हैं। पशुपालन मंत्री दलाल ने बताया कि गौशालाओं में गायों की संख्या के हिसाब से गोसेवा आयोग के माध्यम से पैसा दिए जा रहे हैं। उन्होंने बताया श्री श्याम गोशाला ट्रस्ट मंढाणा के लिए एक लाख 29 हजार, श्री कृष्णा बलियाली को तीन लाख 45 हजार, श्री सनातन गऊसेवा धाम बवानीखेड़ा को पांच लाख 16 हजार 750 ,श्री दादी जाबदे गोशाला खरक कला को चार लाख 68 हजार 750 रुपये जारी किए हैं।

दिनभर चला रूट प्लान बनाने का कार्य

बवानीखेड़ा। शिक्षा विभाग द्वारा विद्यालय से एक किलोमीटर की दूरी से विद्यालय में आने वाले विद्यार्थियों को निःशुल्क यातायात सुविधा उपलब्ध करवाने की योजना को अमलीजामा पहनाने के लिए शनिवार को छुट्टी वाले दिन कार्यकारी खंड शिक्षा अधिकारी आनंद कुमार शर्मा के नेतृत्व में विद्यालय स्टाफ ने कमान संभाली और बच्चों का रूट चार्ट प्लान को लेकर खंड कार्यालय में डटे रहे। जिसको लेकर भिवानी से जिला कोऑर्डिनेटर ललित कुमार भी पहुंचने और उन्होंने कार्य को पूरी तरह से संभाला। पायलेट प्रोजेक्ट में सरकारी विद्यालयों में पढ़ने वाले कक्षा पहली से 12वीं तक के ऐसे विद्यार्थियों के लिए सुविधा शिक्षा विभाग द्वारा सरकारी विद्यालयों में पढ़ने वाले पहली से बारहवीं कक्षा के विद्यार्थियों के लिए यह सुविधा लागू की है। जिन्हें विद्यालय जाने के लिए एक किलो मीटर से अधिक की दूरी तय करनी होती है, उनके लिए निःशुल्क यातायात की व्यवस्था की योजना को अमलीजामा पहनाने का कार्य किया जाएगा। शिक्षा विभाग के आदेशानुसार विद्यालय में 20 से कम छात्र संख्या वाले प्राथमिक स्कूलों को साथ के राजकीय प्राथमिक स्कूलों में मर्ज किया जा सकता है। जिसमें सुमड़ा खेड़ा के राजकीय प्राथमिक पाठशाला को बवानी खेड़ा के रामॉसप्रापा बवानी खेड़ा, ढाणी देबा, ढ़ाणी दुर्जनपुर को जीता खेड़ी, ढ़ाणी रोहनात को रोहनात में शिफट किए जाने की योजना बताई जाती है। यदि इनकी संख्या 20 से अधिक हो जाती है तो पंचायत के आह्वान पर फिर से उसी गांव में इन विद्यालयों को स्थापित किया जाएगा। खंड कार्यालय में रूट चाट प्लान तैयार करने व रिपोर्ट उच्चाधिकारियों को भेजने पर बताया जाता है कि विद्यालय खुलते ही अमलीजामा पहनाया जाएगा।

ब्राह्मण कल्याण समिति के प्रधान बने राजकुमार वशिष्ठ

- ब्राह्मण आयोग के गठन व 10 प्रतिशत इबीपीजी आरक्षण की मांग

हरिभूमि न्यूज ▶▶| चरखी दादरी

चरखी दादरी। प्रधान राजकुमार वशिष्ठ को सम्मानित करते समिति सदस्य।

शनिवार को दादरी भिवानी मुख्य मार्ग पर सांगवान गार्डन में ब्राह्मण कल्याण समिति की बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता संरक्षक पूर्व बीइओ श्रीकिशन शर्मा ने की। इस दौरान विभिन्न गांवों से समाज के सैकड़ों मौजिज व्यक्तियों ने शिरकत।

बैठक में समिति पुनर्गठन की चर्चा पर सभी ने सर्वसम्मति ने प्रधान राजकुमार वशिष्ठ को ही दोबारा प्रधान मनोनीत किया और उन्हें समिति की कार्यकारिणी का आगामी विस्तार करने का संपूर्ण अधिकार दिया गया। मौजिज लोगों ने प्रधान राजकुमार वशिष्ठ को पगड़ी पहनाकर सम्मान के साथ बधाई दी और उनके पिछले कार्यकाल को सभी ने सराहा। वक्ताओं ने कहा कि समिति ने राजकुमार वशिष्ठ व सभी समिति पदाधिकारियों की अगुवाई में ब्राह्मण समाज की मांगों को पुरजोर तरीके से उठाया है और अन्य सामाजिक, राजनीतिक मुद्दों पर सक्रियता से काम किया है। प्रधान वशिष्ठ ने सभी का आभार जताया। बैठक में मुख्य रूप से सरकार से मांग की गई कि दोहली की जमीन को लेकर जो पूर्व में कांग्रेस सरकार ने कानून बनाया था वही लागू होना चाहिए। 10 प्रतिशत इबीपीजी आरक्षण मिलना चाहिए और ब्राह्मण आयोग का गठन होना चाहिए ताकि समाज का उत्थान हो सके। इस मौके पर पूर्व चेयरमैन सुनील शर्मा बाढड़ा, महासचिव धर्मबीर शर्मा रामपुरा, सुरेश नंबरदार चिड़िया, पूर्व सरपंच सज्जन शर्मा गोलपुरा, पूर्व चेयरमैन संजय छपारिया, दादरी ब्लाक प्रधान बिजेंद्र शर्मा, बाढड़ा प्रधान कुलदीप शास्त्री चांदवास, बौंद ब्लाक प्रधान सतीश शर्मा, झोझू ब्लाक प्रधान मा. रामनिवास शर्मा, मास्टर. हरीश शर्मा बीजणा, रामफल शर्मा नरसिंहवास, पूर्व सरपंच बशेसर डूडीवाला, डॉ. रामनिवास रुदड़ौल, सरपचं देवेंद्र शर्मा बीजणा, पूर्व सरपंच सतबीर ऊण, सरपंच बिजेंद्र हंसावास, रामप्रसाद शर्मा बीडीसी, श्यामसुंदर बीडीसी, नवीन कौशिक बीडीसी, सुमित गौतम बीडीसी, हरीश शर्मा बीडीसी, चौरासी खाप प्रवक्ता रमेश शास्त्री, रामकिशन शर्मा, सुनील डूडीवाला, दिनेश बौंद, प्रवीन शर्मा, महेश योगी आदि मौजूद रहे।

कांग्रेस कार्यकर्ता वोटर्स से वन टू वन संवाद स्थापित करेंगे: अखरिया

भिवानी। जिला कांग्रेस के मीडिया कोऑर्डिनेटर धीरज अखरिया ने कहा कि 14 जनवरी से राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा शुरू होने जा रही है। इसे भी भारत जोड़ो यात्रा की तरह ऐतिहासिक समर्थन मिलने की उम्मीद है। इसके अगले दिन हरियाणा कांग्रेस की तरफ से नए अभियान घर.घर कांग्रेस, हर घर कांग्रेस की शुरुआत कर दी जाएगी।

उन्होंने बताया कि अब हर घर कांग्रेस अभियान के जरिए वोटर्स से वन टू वन संवाद स्थापित किया जाएगा। कार्यकर्ता जनता को बताएंगे कि कैसे कांग्रेस वादे निभाने के लिए जानी जाती है, जबकि बीजेपी वादे तोड़ने के लिए। धीरज अखरिया पुराना बस स्टैंड पर अभियान का प्रचार कर रहे थे।

जजपा प्रदेश संगठन सचिव ने कार्यकर्ताओं को दिए दिशा-निर्देश

संगठन की मजबूती ही बनेगी सफलता का आधार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

भिवानी। एकत्रित कार्यकर्ताओं को संबोधित करते एक वक्ता।

संगठन मजबूती को लेकर कार्यकर्ताओं में जोश भरने के उद्देश्य से शनिवार को रोहतक गेट स्थित देवीलाल सदन में बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में मुख्य रूप से जजपा के प्रदेश संगठन सचिव विजय सिंह गोठड़ा एवं जिला अध्यक्ष जोगेंद्र सिंह बागनवाला ने कार्यकर्ताओं को संबोधित किया तथा उन्हे संगठन को ओर अधिक मजबूत बनाने संबंधी टिप्स दिए। इस दौरान पार्टी के नए पदाधिकारियों को सम्मानित भी किया गया। कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए जजपा प्रदेश संगठन सचिव विजय सिंह गोठड़ा ने कहा कि जजपा पार्टी कार्यकर्ता आधारित पार्टी है। कार्यकर्ता ही जजपा की रीढ़ की हड्डी है। उन्होंने कहा कि जजपा का कार्यकर्ता सबसे अधिक संघर्षशील व अनुशासित हैए जिसके चलते जजपा सबसे सक्त्रिय संगठन भी है। गोठड़ा ने कहा कि भिवानी डॉ. अजय सिंह चौटाला की कर्मभूमि रही है तथा यहां से उनके परिवार से ही कोई लोकसभा सदस्य चुनाव लड़ेगा, ऐसे में कार्यकर्ता भिवानी में जजपा संगठन की मजबूती की तरफ विशेष ध्यान दे तथा आगामी चुनाव की तैयारियों में पूरी तरह से जुट जाए। बैठक को संबोधित करते हुए जजपा जिला अध्यक्ष जोगेंद्र बागनवाला ने कहा कि संगठन की मजबूती ही जजपा की सफलता का आधार बनेगी। उन्होंने कहा कि जिस भी पार्टी व राजनीतिक दल का संगठन मजबूत होता है,निश्चित रूप से कामयाबी उसके साथ रहती है। हमें भी इसी लक्ष्य को पाना है, बूथ स्तर से हमें अपने संगठन को मजबूत बनाना होगाए ताकि समय आने पर हमें किसी भी प्रकार से कमजोरी का सामना ना करना पड़े तथा मजबूती के साथ वर्ष 2024 में दुष्यंत चौटाला को प्रदेश का मुख्यमंत्री बनाया जा सकें। उन्होंने कहा कि प्रदेश के उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला के नेतृत्व में जजपा द्वारा अनेक योजनाएं लागू की गईए जिनका प्रदेश की उन्नति एवं विकास में विशेष योगदान है।

बाबा श्योनंद दास धाम पर जलधारा तपस्या का 108 मटकों के साथ विश्राम

बाढ़ड़ा। गांव डांडमा स्थित श्योनंद दास धाम पर सुशील गिरी द्वारा जन कल्याण के लिए की जा रही 21 दिवसीय जल धारा तपस्या का शनिवार को विश्राम हुआ। इस दौरान मंदिर में हवन यज्ञ व भंडारे का आयोजन किया गया। हवन यज्ञ में दूर.दूर से पहुंचे महंतों ने आहुति डालकर सब जन की कुशल मंगल की कामना की। बता दे कि श्योनंद दास धाम पर सुशील गिरी द्वारा 11 मटकों के साथ 24 दिसंबर को ठंडे जल से जल धारा तपस्या शुरू की की गई थी। उनकी ये तपस्या 21 दिनों तक चली है जिसका आज 108 मटकों के साथ जलधारा तपस्या करने पर विश्राम हुआ है। विश्राम के अवसर पर सुशील गिरी के अलावा हिंदोखला धाम कारी के महंत राकेश गिरी, बहल डेरे के महंत विकास गिरी सहित अन्य डेरों से पहुंचे महंतों की उपस्थिति में हवन यज्ञ का आयोजन कर क्षेत्र के कुशल मंगल की कामना की गई। वहीं इस दौरान भंडारे का भी आयोजन किया गया।

NOTICE

I, Ravinder (UIN No. 14161166) R/o VPO. Kalinga (Pana Swai) Distt. Bhiwani (Hr.) declare that I want to correct in my service record my Son name Piyush in place of Piush for all future purposes.

खबर संक्षेप

युवती की गुमशुदगी की शिकायत दर्ज

लोहारू। उपमंडल एक गांव से एक 23 वर्षीय युवती लापता हो गई। जिसकी गुमशुदगी की शिकायत उसे पिता ने लोहारू पुलिस थाने में दर्ज कराई है। पुलिस को दी शिकायत में पिता ने बताया कि उसकी 23 वर्षीय बेटी घर से बिना बताए चली गई और उसके बाद घर नही लौटी।

श्रीराधाकृष्ण गोशाला में वार्षिकोत्सव आज

लोहारू। 14 जनवरी को मकर संक्रांति के उपलक्ष्य में गांव सोहांसरा की श्रीरामधाकृष्ण गौशाला में छटा वार्षिकोत्सव धूमधाम से मनाया जाएगा। जिसमें प्रदेश के कृषि मंत्री जेपी दलाल बतौर मुख्यअतिथि शिरकत करेंगे। गोशाला कमेटी प्रधान अशोक वर्मा ने बताया कि जिला परिषद उपप्रमुख सुनीता संजय जांगड़ा की अध्यक्षता में आयोजित होने वाले इस कार्यक्रम में गोपूजन के साथ साथ सांस्कृतिक कार्यक्रम और प्रसाद वितरण किया जाएगा।

सत्संग भवन में आज मनेगा भक्ति पर्व

भिवानी। सतगुरु माता सुदीक्षा के पावन आशीर्वाद से 14 जनवरी हांसी गेट स्थित संत निरंकारी सत्संग भवन में भक्ति पर्व मनाया जाएगा। जिसका समय सुबह साढे. दस बजे से दोपहर एक बजे तक रहेगा। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता रोहतक से ज्ञान प्रचारक महात्मा हेमंत कुमार करेंगे। इस कार्यक्रम में भव्य सत्संग का आयोजन होगा, जिसमें भिवानी जिले के शहरी तथा ग्रामीण इलाकों से श्रद्धालु इस कार्यक्रम में हिस्सा लेंगे। सत्संग के पश्चात भोजन प्रसाद वितरण किया जायेगा। यह जानकारी मीडिया सहायक भरत राम ने दी।

हैंडबॉल चैंपियनशिप के लिए ट्रायल 16 को : कोंटिया

भिवानी। 28 से 31 जनवरी तक महाराष्ट्र के संगाली में पुरुष वर्ग की 35वीं फेडरेशन कप हैंडबॉल चैंपियनशिप का आयोजन किया जाएगा। चैंपियनशिप के खिलाड़ियों की ट्रायल 16 जनवरी को आयोजित होगी। हरियाणा स्टेट हैंडबॉल एसो. के महासचिव संदीप कोंटिया ने बताया कि 35वीं फेडरेशन कप हैंडबॉल चैंपियनशिप के लिए 16 को होने वाली ट्रायल स्थानीय भीम स्टेडियम में सुबह 10 बजे शुरू होगी। ट्रायल में हिस्सा लेने वाले खिलाड़ी संबंधित एवं जरूरी दस्तावेज लेकर पहुंचे।

नप चेयरपर्सन प्रतिनिधि भवानी प्रताप सिंह ने शहर का किया निरीक्षण

3 दिन में सफाई मुक्कमल नहीं की तो नपेंगे संबंधित दरोगा

चेयरपर्सन प्रतिनिध भवानी प्रताप सिंह बोले भिवानी को अगले साल स्वच्छता के मामले में प्रदेश में अव्वल लाना ही उनका लक्ष्य

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

भिवानी। सफाई व्यवस्था का निरीक्षण करते नप चेयरपर्सन प्रतिनिध भवानी प्रताप सिंह। फोटो : हरिभूमि

शनिवार को नगरपरिषद चेयरपर्सन प्रतिनिधि भवानी प्रताप सिंह ने शहर की सफाई को लेकर सफाई कर्मचारियों को सख्त निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि तीन दिनों के भीतर शहर की सफाई व्यवस्था दुरुस्त होनी चाहिए। किसी भी इलाके में कूड़ा कचरा बिखरा हुआ नहीं पाना चाहिए। जिस भी इलाके में सफाई व्यवस्था दुरुस्त नहीं मिली तो उस इलाके सफाई दरोगाओं के खिलाफ कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

वे शनिवार को शहर की सफाई का निरीक्षण कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने सफाई कर्मचारी व दरोगाओं से बातचीत की। उन्होंने कहा कि बुधवार तक सभी कर्मचारी अपनी.अपनी बीट या क्षेत्र की सफाई का कार्य मुक्कमल करें। इस कार्य को करने के लिए उनको अतिरिक्त समय लगाना पड़े तो भी वे सफाई व्यवस्था को हर हाल में पटरी पर लाए। वे बुधवार को शहर का निरीक्षण करेगी। उस वक्त शहर में किसी भी इलाके की सफाई व्यवस्था बेपटरी न पाए।

कूड़ा समय पर उठाएं

उन्होंने कहा कि निरीक्षण के दौरान जिस भी इलाके में सफाई व्यवस्था चौकस नहीं मिली तो उस इलाके के दरोगा से जवाब तलबी होगी। अगर जरूरत हुई तो उसके खिलाफ विभागीय कार्रवाई भी अमल में लाई जाएगी। साथ ही उन्होंने कूड़ा उठाने वाली कम्पनी के कर्मचारियों से भी सख्ती से निपटे। उन्होंने कम्पनी के कर्मचारियों से कहा कि शहर के किसी भी इलाके में कहीं पर कचरे का ढेर नहीं होना चाहिए। इसके लिए उनको अतिरिक्त समय कार्य करना पड़े तो वे अभियान चलाए। बुधवार तक शहर के किसी भी इलाके में कहीं पर कोई कचरे का ढेर नजर न आए। अगर इस मामले में कोई ढिलाई व कोताही हुई तो उनके खिलाफ भी कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

इस मौके पर उनके साथ सफाई निरीक्षक विकास देशवाल, सतपाल सिंह, सतेंद्र, रविंद्र आदि मौजूद थे।

ढिलाई सहन नहीं होगी

नगरपरिषद की चेयरपर्सन प्रीति भवानी प्रताप सिंह ने बताया कि स्वच्छता को लेकर ढिलाई कतई सहन नहीं होगी। स्वच्छता में अव्वल रहने के लिए हर कोई नगरपरिषद का सहयोग करें। साथ ही उन्होंने बताया कि उनका लक्ष्य भिवानी को अगले साल स्वच्छता के मामले में प्रदेश में अव्वल लाने का है। उन्होंने नगरपरिषद के सफाई कर्मचारियों व दरोगाओं को बुधवार तक शहर की सफाई व्यवस्था पूरी तरह से मुक्कमल होनी चाहिए। इस मामले में ढिलाई सहन नहीं होगी। अगर किसी भी सफाई दरोगा या कर्मचारी ने कोताही बरती तो उनके खिलाफ कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

जल्द लगेगा टेंडर

उन्होंने बताया कि जल्द ही सफाई का अतिरिक्त टेंडर लगाया जाएगा। जिसकी प्रक्रिया जारी है। अतिरिक्त टेंडर लगने का कार्य होने के बाद सफाई कर्मचारियों की संख्या में भी इजाफा होगा और शहर की प्रत्येक गली की सफाई करवाई जा सकेगी। उन्होंने बताया कि उनकी मंशा है कि शहर की प्रत्येक गली की सफाई हो और हर घर से कचरा एकत्रित हो। ताकि शहर की सफाई व्यवस्था को पंख लगाए जा सके।

प्रदेश के दो खिलाड़ियों का चयन 5 मैचों की सीरीज के लिए भारतीय टीम में

भिवानी। चयनित खिलाड़ी ट्रॉफी के साथ। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

- 20 के पांच मैचों की सीरीज 28 जनवरी से 6 फरवरी तक अहमदाबाद गुजरात में होगी

भारत बनाम इंग्लैंड के साथ '20 के 5 मैचों की सीरीज भारत में डीसीसीआई द्वारा बीसीसीआई के सहयोग से गुजरात में आयोजित की जा रही है। जिसमें भारत की टीम में हरियाणा के दो खिलाड़ियों का इस सीरीज मैचों के लिए चयन किया गया है। दोनों खिलाड़ी '20 के पांच मैचों की सीरीज 28 जनवरी से 6 फरवरी तक अहमदाबाद गुजरात में खेलेंगे। यह जानकारी डिफरेंटली एबल्ड क्रिकेट स्पोर्ट्स एसोसिएशन ऑफ हरियाणा के महासचिव राजकुमार सुनसुना और खेल सचिव अश्विनी वधावन ने दी। उन्होंने बताया कि हरियाणा से सन्नी गोयत गांव झांझ जिला जींद व पवन कुमार निसिंग जिला करनाल का भारतीय टीम में चयन किया गया है। दोनों खिलाड़ियों के चयन से डिफरेंटली एबल्ड क्रिकेट स्पोर्ट्स एसोसिएशन ऑफ हरियाणा के सदस्यों व खिलाड़ियों में खुशी का माहौल है। दोनों खिलाड़ी आज नागपुर के लिए रवाना हो गए है। उन्होंने बताया कि इन खिलाड़ियों का चयन उनके बेहतरीन प्रदर्शन को देखते हुए किया गया है। सन्नी गोयत ने उदयपुर में 24 टीमों की प्रतियोगिता में बेहतरीन प्रदर्शन दिखाया। जिसके आधार पर वे 6 नंबर पर और 2019 की वर्ल्ड सीरीज का भारत विजेता टीम के सुपर हीरो भी रहे। हरियाणा टीम के बेस्ट ऑलराउंडर खिलाड़ी भी हैं। इसी प्रकार पवन कुमार ने अपना बेहतरीन प्रदर्शन दिखाते हुए वर्ष 2022 के हैप कप में मैन ऑफ द सीरीज भी रहे। पवन कुमार के बेहतरीन प्रदर्शन में देखते हुए उन्हें उपहार में इलेक्ट्रिक स्कूटी भी मिली थी।

निःशुल्क स्वास्थ्य जांच व रक्तदान शिविर आज

हरिभूमि न्यूज ▶▶| तोशाम

- हिसार के प्रसिद्ध अस्पताल सर्वेश हेल्थ सिटी के डॉक्टर करेंगे जांच

14 जनवरी रविवार यानी आज प्रसिद्ध समाजसेवी व कांग्रेस नेता रहे स्वर्गीय कृष्ण कुमार सिंगला की तीसरी पुण्यतिथि के मौके पर ताराचंद कृष्ण कुमार सिंगला चैरिटेबल सोसायटी तोशाम व भारत विकास परिषद द्वारा केके सिंगला चैरिटेबल अस्पताल में निशुल्क विशाल मल्टी स्पेशलिटी स्वास्थ्य जांच शिविर एवं रक्तदान शिविर आयोजित किया जाएगा। जिसमें हिसार के प्रसिद्ध अस्पताल सर्वेश हेल्थ सिटी एवं महात्मा गांधी अस्पताल के विभिन्न रोगों के विशेषज्ञ करीबन एक दर्जन चिकित्सक मरीजों की निशुल्क जांच करेंगे। यह जानकारी देते हुए शिविर आयोजक ताराचंद कृष्ण कुमार सिंगला चैरिटेबल सोसायटी के सदस्य अशोक कुमार सिंगला ने बताया कि स्वर्गीय कृष्ण कुमार सिंगला की तीसरी पुण्यतिथि के मौके पर आयोजित निशुल्क विशाल मल्टीस्पेशलिटी स्वास्थ्य जांच शिविर में हिसार के सर्विस हेल्थ सिटी से रेडियोलॉजिस्ट डॉ. आशु सिंगला, हड्डी रोग विशेषज्ञ डॉ. प्रसून कामरा, जनरल सर्जन एवं स्तन रोग विशेषज्ञ डॉ. सुजाता एस अग्रवाल, मधुमेह छाती टीबी रोग विशेषज्ञ डॉ. कुणाल नारंग, नवजात एवं बाल रोग विशेषज्ञ डा. मनु सिद्धार्थ सहित आदि मौजूद रहेंगे।

दादरी जिले के बैडमिंटन खिलाड़ियों का खेल के प्रति समपर्ण सराहनीय

हरिभूमि न्यूज ▶▶| चरखी दादरी

- वर्तमान में चल रही निशुल्क प्रशिक्षण कैंप में युवा घंटों अभ्यास कर रहे

दादरी जिला मे बैडमिंटन खेल के लिए बच्चों का रूझान बड़ी तेजी से बढ़ रहा है। वर्तमान में चल रही निशुल्क प्रशिक्षण कैंप में युवा घंटों अभ्यास कर रहे हैं, उससे साबित है कि अब यह खेल दादरी क्षेत्र में युवाओं के बीच तेजी से पैंठ बनाता जा रहा है। जिला स्तर पर आयोजित टूर्नामेंटों में आज कुछ साल पहले जहां कि प्रत्येक वर्ग में नाममात्र को खिलाड़ी शिरकत करते थे, अब वो तस्वीर बिल्कुल उल्ट हो चुकी है।

अब स्पर्धाओं में खिलाडियों के दिन रात्री मैचों के आयोजन का शैडयूल बनाकर काम करवाने तथा खिलाडियों को आगे बढाने का प्रयास किया जा रहा है। जिला बैडमिंटन एसोसिएशन द्वारा जिले में खेल को आगे बढ़ाने के लिए निरंतर कार्य किया जा रहा है। इसके चलते ही पिछले कुछ सालों के दौरान क्षेत्र के अनेक प्रतिभावान बच्चों ने राष्ट्रीय स्तर तक अपनी धाक जमाई है। यह जानकारी बैडमिंटन एसोसिएशन आफ इंडिया उपाध्यक्ष व हरियाणा बैडमिंटन एसोसिएशन महासचिव अजय सिंघानियां से शिष्टाचार भेंट करते हुए जिला दादरी बैडमिंटन एसोसिएशन महासचिव लोकेश गुप्ता ने दी। ने कहा कि जिला स्तरीय स्पर्धाओं में सैकड़ों की संख्या में सहभागिता की विशेष तौर पर महिलाओं के वर्ग में स्पर्धा के दौरान खिलाड़ियों की जज्बा दिखाई दिया वह दिखाने के लिए काफी है कि आगामी दिनों में दादरी जिले के प्रतिभाशाली बैडमिंटन के आकाश को छूने पर आतुर है। सिंघानिया ने लोकेश व समस्त कार्यकारिणी का हौसला अफजाई करते हुए कहा कि दादरी जिला बैडमिंटन एसोसिएशन के मार्गदर्शन में लगातार यहां के खिलाडी उचाइयों को छू रहे है, यह हर्ष का विषय है।

एक माह से सीवरेज समस्या से परेशान है वार्ड 25 के नागरिक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

- दूषित पानी सड़कों पर हो रहा है जाम बीमारी फैलने की आशंका

वार्ड नंबर.25 में हनुमान गेट व पतराम गेट के क्षेत्रवासी पिछले करीबन एक माह से सीवरेज की समस्या से खासे परेशान है। सीवर ओवर फ्लॉ होने के कारण दूषित पानी सड़कों पर जमा हो जाता है, जिसके कारण लोगों का निकलना तक मुश्किल हो गया है। इस बारे में वार्डवासियों द्वारा बार.बार विभाग के अधिकारियों को शिकायत करने के बावजूद भी कोई सुनवाई नहीं की जा रही है, जिसके कारण वार्डवासियों में अब खासा रोष नजर आ रहा है।

इस बारे में पार्षद विनोद प्रजापति सहित वार्डवासी धर्मचंद ठेकेदार व लीलाधर सोनी ने बताया कि वार्ड नंबर.25 में हनुमान गेट व पतराम गेट के बीच में पिछले करीबन एक माह से सीवरेज ओवरफ्लो की समस्या बनी हुई है, जिसके कारण यह गली सीवरेज के गंदे पानी से लबालब रहती है तथा नागरिकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है। यही नहीं गली में पानी भरे रहने के कारण मच्छरों की भरमार हो गई है, इस कारण शहर में बीमारी फैलने की भी आशंका बनी हुई है। उन्होंने बताया कि इस बारे में कई बार संबंधित अधिकारियों को अवगत करवाया जा चुका हैए लेकिन अधिकारी गोलमोल जवाब देकर क्षेत्रवासियों की परेशानियों की समस्या का समधान नहीं कर रहे। उन्होंने कहा कि इस क्षेत्र के पीछ गद्दे की फैक्ट्री है, जिसका कचरा सीवरेज में जाता है, जिस कारण सीवरेज ब्लॉक हो रहा है,यह बात बताने के बावजूद भी अधिकारी कोई कदम नहीं उठा रहे, जिसके चलते वार्डवासियों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

चौधरी बंसी लाल विवि कादीक्षांत समारोह 15 को

भिवानी। चौधरी बंसी लाल विश्वविद्यालय का तृतीय दीक्षांत समारोह 15 जनवरी को आयोजित किया जाएगा, पहले इसका समय शाम चार बजे का था। यह जानकारी विश्वविद्यालय की कुलसचिव डॉ. ऋतु सिंह ने देते हुए बताया कि राज भवन हरियाणा की ओर से दीक्षांत समारोह के समय में परिवर्तन करते हुए इसे 4:00 बजे की जगह अब दोपहर 2:00 बजे आयोजित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि कुलपति प्रो राजकुमार मित्तल की अगुवाई में विश्वविद्यालय का तृतीय दीक्षांत समारोह है जिसमें राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय बतौर मुख्यातिथि शिरकत करेंगे। कार्यक्रम के समय में परिवर्तन की सूचना दीक्षांत समारोह में भाग लेने वाले सभी विद्यार्थियों और इयूटी कर्मियों को भेजी जा रही है। उन्होंने बताया कि दीक्षांत समारोह के सफल आयोजन को लेकर विभिन्न समितियों का गठन किया गया है और कर्मचारियों की इयूटी लगाई गई हैं। तृतीय दीक्षांत समारोह की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर कल उपायुक्त नरेश नरवाल, अतिरिक्त उपायुक्त अनुपमा अंजली और पुलिस अधीक्षक वरुण सिंगला कार्यक्रम स्थल का दौरा कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा ले चुके हैं। उन्होंने बताया कि दीक्षांत समारोह के आयोजन की सभी तैयारियां की जा रही हैं।

बाढ़ड़ा में लोहारू रोड़ पर सड़क किनारे खड़े ट्रैक्टर में लगी आग

बाढ़ड़ा। शनिवार सुबह बाढ़ड़ा के लोहारू रोड़ पर सड़क बनाने व पेचवर्क के लिए काम में लिए जा रहे एक ट्रैक्टर में आग लग गई। आग लगने की सूचना सुबह के समय घूमने निकले युवाओं ने डायल 112 पर कॉल कर दी। जिसके बाद ईआरवी व फायर ब्रिगेड की गाड़ी मौके पर पहुंची और और फायर ब्रिगेड की टीम ने कड़ी मशक्कत से आग पर काबू पाया।

- फायर ब्रिगेड ने मौके पर पहुंचकर पाया काबू
- सुबह घूमने निकले युवाओं ने डायल 112 पर कॉल कर दी सूचना

आपको बता दे कि बाढ़ड़ा में लोहारू रोड़ पर पुलिस स्टेशन के समीप सड़क निर्माण व पेचवर्क के लिए काम में लिया जाने वाला एक ट्रैक्टर खड़ा था। ट्रैक्टर के पीछे तारकोल गर्म करने की मशीन जुड़ी हुई थी। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार ट्रैक्टर के टायर में आग लग गई। आग की लपटे देखकर उन्होंने इसकी जानकारी डायल 112 को दी जिसके बाद ईआरवी 0151 की टीम मौके पर पहुंची। जिसके बाद उन्होंने फायर ब्रिगेड को मौके पर बुलाया और आग पर काबू पाया। आग के कारण ट्रैक्टर के टायर व सीट जलने से नुकसान हुआ है।

आदर्श रिहेबिलिटेशन सेंटर एवं स्पेशल स्कूल व आदर्श पुनर्वास स्कूल में मनाया लोहड़ी पर्व

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

आदर्श रिहेबिलिटेशन सेंटर एवं स्पेशल स्कूल व आदर्श पुनर्वास स्कूल में लोहड़ी पर्व मनाया गया। संस्था निदेशक डाए राजेशं श्योराणए सबीना धनखड़ व अंजू सांगवान ने अग्नि प्रज्वलित करके कार्यक्रम का शुभारंभ किया संस्था निदेशक डॉ. राजेश श्योराण ने कहा कि दुल्ला भट्टी एक नोजवान था जो हिन्दू लड़कियों को बेचने का विरोध करता था वो उन्हें चुपचाप कंही ले जाकर किसी हिन्दू लड़के से उनकी शादी करवा देता था इसी कारण उसे हिन्दू परिवारों में बहुत पसंद किया जाता था और यही कारण है कि इस गीत में उसके प्रति आभार व्यक्त किया है लोहड़ी त्योहार फसल पकने और अच्छी खेती के प्रतीक के रूप में भी जाना जाता है।

सूर्य के प्रकाश व अन्य प्राकृतिक तत्वों से तैयार हुई फसल के उल्लास में लोग एकजुट होकर यह पर्व मनाते हैं। इस दिन सभी लोग सूर्य भगवान एवं अग्नि देव का पूजन कर उनका आभार प्रकट करते हैं। यह पर्व समाज में आपसी सद्भाव और प्रेम को भी दर्शाता है इस अवसर पर लोग अग्नि देव को रेवड़ी और मूंगफली अर्पित करते हैं तथा आपस में वितरित करते हैं। इसलिए यह त्योहार आपसी सरोकार और प्रेम को भी दर्शाता है।

ये रहे मौजूद : इस अवसर पर संस्था सचिव डॉ. सरिता श्योराण, प्रिंसिपल शारदा शर्मा,अनीता वर्मा,रिंकू कुमार, संदीप, मोहम्मद नसीम, मुस्कान गर्ग, प्रवीण जांगड़ा,विनोद, रिहाना, मनीष जांगड़ा,करीम खान,बुलबुल जैन व अन्य स्टाफ सदस्य उपस्तिथ रहे।

गांव नांधा में घर में सो रहे दंपति के आगे कुंडी लगाकर नकदी और गहने किए चोरी

बाढ़ड़ा। गांव नांधा में घर में सो रहे दंपति के आगे कुंडी लगाकर घर से सोने व चांदी के जेवरात व नगदी चोरी किए जाने का मामला सामने आया है। व्यक्ति ने शोर सुनकर बाहर आने का प्रयास किया तो गेट की कुंडी बंद मिली जिसके बाद उसने अपने भतीजे को फोन कर बुलाया लेकिन तब तक चोरी वारदात को अंजाम देकर रफूचक्कर हो गए। पीड़ित ने बाढ़ड़ा थाना पुलिस को शिकायत देकर चोरों की तलाश कर उसका चोरी हुआ सामान बरामद करने की गुहार लगाई है। पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस को दी शिकायत में नांधा निवासी भूप सिंह ने बताया कि अव और उसकी पत्नी घर में सो रहे थे। रातक बरी 12 और साढ़े 12 के समीप कुछ आवाज सुनाई दी। जिसके बाद उसने गेट खोलकर बाहर जाने का प्रयास किया तो गेट बाहर से बंद मिला। जिसके बाद उसने अपने भतीजे सत्यवान के पास फोन किया उसने आकर गेट खोला और उसने बताया कि पांच.सात लोगों को भागते हुए देखा है।

- पीड़ित ने फोन कर भतीजे को बुलाया लेकिन तब तक चोर हो चुके थे रफूचक्कर

कार में आए थे चोर

फिर हम दोनों उसको पकड़ने के लिए बाहर गए तो वो कार में सवार होकर भागते हुए नजर आए। बाद में उन्होंने घर पर देखा तो कमरों में रखी अलमारी और सन्दूक के ताले तोड़ रखे थे। सामान को संभाला तो 10 से 12 तोला सोनाए 15.16 तोला चांदी और करीब 50 हजार रुपये की नकदी गायब मिले। उसने पुलिस को शिकायत देकर चोरों को पकड़कर कानूनी कार्रवाई करने की मांग की।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो वह निम्न टेलीफोन नम्बरों पर कार्यालय समय पर सूचित करें :-
हरिभूमि, शॉप नं. 47, इम्प्रूवमेंट ट्रस्ट मार्केट, भिवानी
फोन नं. : 8295157800, 8814999151, 9253681005

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।
हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5 X 8 सें.मी 10X 8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 2000/- रु. 2500/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
भिवानी : हरिभूमि, शॉप नं. 47, इम्प्रूवमेंट ट्रस्ट मार्केट, भिवानी
फोन : 8814999170, दादरी : 9253681008

आरटीए टीम की ओवरलोडिंग के खिलाफ बड़ी कार्रवाई

10 वाहनों के 5.50 लाख के काटे चालान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बाढ़ड़ा

- श्रम एवं रोजगार राज्य मंत्री ने चरखी दादरी उपायुक्त मनदीप कौर को ओवरलोडिंग पर अंकुश लगाने की सौंपी थी जिम्मेदारी

हिसार आरटीए टीम ने शनिवार को बाढ़ड़ा क्षेत्र में ओवरलोडिंग के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। टीम द्वारा पिचौपा क्त्रशर जोन सहित दूसरे स्थानों पर कार्रवाई करते हुए दस ओवरलोड वाहनों को पकड़ा है। टीम द्वारा इन वाहनों के साढ़े पांच लाख रुपये के चालान काटे गए हैं। जिसके बाद से ओवरलोड वाहन चालकों व संचालकों में हड़कंप का माहौल है।

बता दे कि बीते नवंबर व दिसंबर माह के दौरान चरखी दादरी में आयोजित जिला कष्ट निवारण समिति की बैठक की अध्यक्षता करने पहुंचे प्रदेश के श्रम एवं रोजगार राज्य मंत्री अनूप सिंह के समक्ष ओवरलोडिंग का मुद्दा दो बार उछला था और दोनों ही बार वहां काफी गरमा.गर्मी हुई थी। नवंबर माह में में जहां शिकायतकर्ता द्वारा नेताओं व अधिकारियों के इसमें शामिल होने के आरोप लगाने पर मंत्री के साथ काफी बहस हुई थी वहीं दिसंबर माह में शिकायतकर्ता द्वारा फिर से बैठक के दौरान मुद्दे को उठाने पर उसे मीटिंग हॉल से बाहर कर दिया गया था। लेकिन उस बैठक के बाद मंत्री ने चरखी दादरी उपायुक्त मनदीप कौर को ओवरलोडिंग पर अंकुश लगाने की जिम्मेदारी सौंपी थी। उपायुक्त ने उसके बाद टास्क फोर्स बनाकर इस पर शिकंजा कसने की बात कही थी और छह जिलों के अधिकारियों को कमान सौंपी गई। हालांकि उसके बाद से ओवरलोडिंग के खिलाफ कार्रवाई जरूर हुई है लेकिन ओवरलोडिंग वाहन वैसे ही सड़कों पर दौड़ रहे हैं। शुक्रवार रात से हिसार आरटीएम टीम ने दादरी जिले में ओवरलोडिंग पर कार्रवाई की और इंस्पेक्टर मंजीत सांगवान की अगुवाई में टीम ने कार्रवाई करते हुए दस ओवरलोड डंपर व ट्राला को पकड़कर चालान किया है। टीम सदस्य जितेंद्र ने बताया कि उनकी टीम ने शनिवार दोपहर तक 10 ओवरलोड वाहनों को पकड़ा। इनमें से तीन डंपर को बाढ़ड़ा बस स्टैंड परिसर में खड़ा करवाया, दो.तीन खराब होने के कारण जोन में ही हैं और बाकि को चरखी दादरी भेजा गया है। इन वाहनों के जिनके 5 लाख 50 हजार 500 रुपये के चालान काटे।

हरिभूमि
रविवार भारती
haribhoomi.com
छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
रविवार 14 जनवरी 2024

मकर संक्रांति विशेष

मकर संक्रांति पर्व की धार्मिक ही नहीं अत्यधिक सांस्कृतिक महत्ता भी है। यह पर्व ऋतुचक्र में होने वाले परिवर्तन और सूर्य की गति में बदलाव को भी प्रकट करता है। यह पर्व देश के अलग-अलग भागों में विभिन्न रूपों और नामों से मनाया जाता है। लेकिन इसे मनाने की मूल भावना में निहित सामाजिक समरसता, इसकी खूबसूरती को और बढ़ा देता है।

धार्मिक आस्था-सांस्कृतिक उल्लास का पवित्र पर्व मकर संक्रांति

{ आवरण कथा / आर.सी.शर्मा }

पूर्व से पश्चिम, उत्तर से दक्षिण तक नाम भले अलग-अलग हों, लेकिन मकर संक्रांति का धार्मिक-सांस्कृतिक पर्व, पूरे भारत में मनाया जाता है। देश के अलग-अलग हिस्सों में इसे अलग-अलग नामों से मनाया जाता है। जैसे- उत्तर भारत के ज्यादातर हिस्सों में इसे मकर संक्रांति कहते हैं, तो पंजाब में लोहड़ी, गुजरात में उत्तरायण, उत्तराखंड में उत्तरायणी, केरल में पोंगल, असम में माघ बीहू और भोगाली बीहू, बिहार-उत्तर प्रदेश में खिचड़ी, बंगाल में दान पूर्व और तमिलनाडु में पोंगल के नाम से इसे मनाते हैं। चाहे पर्व के नाम अलग-अलग हों और इनके मनाने के तौर तरीके भी थोड़े अलग-अलग हों। लेकिन अपनी मूल प्रकृति और मूल आस्था में ये सारे पर्व एक ही होते हैं। नई फसल तैयार होने की खुशी में नाचना-गाना, सूर्य के उत्तरायण होने से उसके बढ़ते जीवनदायी ताप के प्रति आभार-सम्मान प्रकट करना और पवित्र नदियों में स्नान करने जैसी तमाम तरह की गतिविधियां, इन सभी पर्वों के मूल विधान में शामिल हैं।

केरल में पोंगल पर्व मनाते स्थानीय निवासी

पर्व मनाने की शुभ तिथि

मकर संक्रांति आमतौर पर अंग्रेजी कैलेंडर के जनवरी माह में 14 या 15 जनवरी को मनाई जाती है। मकर संक्रांति की तिथि से सूर्य मकर राशि में प्रवेश करता है, इसलिए यह मकर संक्रांति कहलाती है। इस दिन से सूर्य उत्तरायण हो जाते हैं, जिसे शास्त्रों के मुताबिक देवताओं का दिन माना जाता है, जबकि दक्षिणायन को देवताओं की निशा यानी रात्रि माना जाता है। धार्मिक मान्यताओं के मुताबिक इस दिन किया गया दान, साल के बाकी किसी भी दिन में किए गए दान के मुकाबले कहीं ज्यादा पुण्य लाभ देने वाला होता है। इस साल मकर संक्रांति की तिथि आज रात के बाद यानी 15 जनवरी को ब्रह्म मुहूर्त से पहले 2 बजकर 54 मिनट से आरंभ होगी, जब सूर्यदेव धनु राशि से निकल कर मकर राशि में प्रवेश करेंगे।

महत्वपूर्ण-पुण्यकारी धार्मिक कार्य

मकर संक्रांति के दिन सुबह उठकर सूर्य के निकलने से पहले या निकलते समय पवित्र नदियों में स्नान करना सबसे अच्छा माना जाता है। इसके बाद नए साफ वस्त्र पहनकर तांबे के लोटे में पानी भरकर उसमें काला तिल, गुड़ का छोटा टुकड़ा और अगर गंगा में नहीं नहा रहे तो थोड़ा गंगाजल मिलाकर सूर्यदेव को प्रणाम करते हुए उन्हें अर्घ्य दिया जाता है। इसके बाद गरीबों को दान दिया जाता है, इस दान में तिल और खिचड़ी का होना बहुत शुभ माना जाता है। ज्योतिष शास्त्र के मुताबिक मकर संक्रांति की सुबह घर में स्नान करें तो पानी में तिल और गंगाजल अवश्य मिला लें। किसी पवित्र नदी में स्नान कर रहे हों तो जिस जगह स्नान करें, वहां थोड़े तिल और गंगाजल छिड़क देना चाहिए। इस दिन सूर्यदेव शनि की राशि मकर में प्रवेश करते हैं, इसलिए मकर संक्रांति को शनि देव की पूजा भी करनी चाहिए।

कहीं नृत्य तो कहीं पतंगबाजी

मकर संक्रांति देश के अलग-अलग हिस्सों में खूब मस्ती और उमंग के साथ मनाई जाती है। कहीं पर लोग ढोल की थाप पर

असम में माघ बीहू के अवसर पर सामूहिक नृत्य करतीं महिलाएं

नाचते-गाते हैं। जैसे पंजाब में भागड़ा और गिद्धा लोकनृत्य किया जाता है। इसी तरह असम में लोग बिहू लोकनृत्य में सामूहिक रूप से शामिल होते हैं। गुजरात और उत्तर भारत में इस अवसर पर बड़े पैमाने पर पतंग उत्सव का भी आयोजन किया जाता है।

पर्व का जीवन में महत्व

मकर संक्रांति पर्व का महत्व सिर्फ धार्मिक या पारंपरिक संस्कारों तक ही सीमित नहीं है। इसका सीधा-सीधा रिश्ता बदलते हुए ऋतु चक्रों से भी होता है। जिस कारण बहते हुए पानी में स्नान किए जाने की परंपरा इससे जोड़ी गई है। इसका वैज्ञानिक परिप्रेक्ष्य यह है कि इन तिथियों को बहते हुए पानी में ऊर्जा की अधिकता होती है और उस पानी में स्नान करने से इंसान बहुत तरह की शारीरिक व्याधियों से छुटकारा पा जाता है। साथ ही बदलते हुए मौसम के इस संधिकाल में सूर्य के ताप, पृथ्वी और जल की ऊर्जा का शरीर में इस तरह से प्रभाव पड़ता है कि हमारी रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ जाती है। इसलिए संक्रांति को सिर्फ धर्म की नहीं प्रकृति की दृष्टि से भी महत्वपूर्ण माना जाता है। *

वर्ष में होती हैं तीन संक्रांतियां

हिंदू पंचांग के अनुसार पूरे वर्ष में एक नहीं तीन संक्रांतियां मनाई जाती हैं- मकर संक्रांति, विषुवत संक्रांति और कार्तिक संक्रांति। सभी में एक जैसी श्रद्धा और एक जैसी धार्मिक भावनाएं होती हैं। विषुवत संक्रांति अप्रैल माह में पड़ती है, इस तिथि पर सूर्य मेष राशि में प्रवेश करते हैं। साथ ही इसी दिन विशाखा नक्षत्र में भी प्रवेश करते हैं, इसलिए इसे वैशाखी भी कहा जाता है। इसी तरह कार्तिक संक्रांति हिंदुओं में बहुत पवित्र मानी जाती है। कार्तिक संक्रांति में सूर्य तुला राशि में प्रवेश करते हैं। आमतौर पर यह अक्टूबर के मध्य में आती है। सभी संक्रांतियों में सूर्योदय से पहले उठकर या उग रहे सूर्य के समय स्नान का विधान होता है। साथ ही इस दिन पवित्र नदियों में भी स्नान करने का महत्व बताया गया है। *

जीवन में सुकून और खुशी तो सभी चाहते हैं लेकिन इन्हें पाने के लिए किस रास्ते पर चलने की जरूरत होती है, इस बारे में कम ही लोगों को पता होता है। वास्तव में सुकून-खुशी हासिल करना कठिन नहीं है, अगर आप सही दिशा में इसे तलाश करें।

सुकून-खुशी पाना कठिन नहीं है, अगर...

{ जीवनशैली / शिखर चंद जैन }

अगर आपको दिल्ली से कोलकाता जाना हो लेकिन आप ट्रेन या फ्लाइट चेन्नई की पकड़ लें तो कोलकाता पहुंचेंगे या चेन्नई? यह सवाल आपको अटपटा लग सकता है लेकिन व्यावहारिक जीवन में देखें तो खुशी और सुकून की तलाश में हम कुछ इसी तरह गलत राह पर चलते हुए अपनी मंजिल से भटक जाते हैं और हमें इसका एहसास ही नहीं होता है।

लिविंग स्टैंडर्ड का गलत पैमाना: बेहतरी, सफलता, समृद्धि और सुकून के वास्तविक स्वरूप को समझने में लोग अकसर चूक जाते हैं। इसमें पूरी तरह गलती आपकी नहीं है। वास्तव में हमारा माहौल, संगत और समाज कई मामलों में हमारा नजरिया तय करते हैं। यही वजह है कि आज स्टैंडर्ड ऑफ लिविंग हाई होने यानी सफलता और खुशहाली का प्रतीक भौतिक साधनों के बहुलता को माना जा रहा है। आपके जीवन का स्तर कितना ऊंचा है, यह इस बात से तय होता है कि आप का मकान शहर के किस पॉश इलाके में है, कितना बड़ा मकान या फ्लैट है, आपकी कार कितनी महंगी है, आपके यहां कितने नौकर-चाकर काम करते हैं, आपका बैंक बैलेंस कितना बड़ा है, आपका मोबाइल किस ब्रांड का है, आप शहर के किस रेस्तरां में डिनर या लंच के लिए जाते हैं, किस ब्रांड के कपड़े, घड़ी या जूते पहनते हैं? आप छुट्टियां बिताने के लिए विदेश जाते हैं या नहीं? इतना ही नहीं रेव पार्टीज में या महंगे क्लब्स में जाना भी स्टैंडर्ड ऑफ लिविंग का प्रतीक बन गया है।

अपना नुकसान खुद करते हम: आज के दौर का यह सच बन गया है कि हममें से अधिकांश लोगों के जीवन का ज्यादातर समय इन्हीं को पा लेने की कोशिश में खप जाता है, इन्हीं में सुकून और खुशहाली की तलाश करते हुए अनजाने में ही हम परेशान, बदहाल और तनावग्रस्त रहने लगते हैं। पिछली सदी में बुजुर्ग और अब तो वैज्ञानिक भी कहते हैं कि चिंता, चिता के समान होती है। हम अपनी ही नासमझी से गलत जीवनशैली के कारण उच्च रक्तचाप, मधुमेह, स्ट्रोक, हृदय रोगों और कैंसर जैसे घातक रोगों के शिकार बेहद आसानी से हो जाते हैं। नतीजतन ना मनचाहा खा सकते हैं ना ढंग से सो पाते हैं। कहा गया है कि पहला सुख निरोगी काया। लेकिन जब माया के चक्कर में काया ही रोगी हो गई तो सुख और सुकून भला कैसे मिलेंगे?

गलत मार्ग पर मंजिल की तलाश: हममें से अधिकतर लोग समझ ही नहीं पाते कि आखिर इतने प्रयासों के बावजूद हम सुखी क्यों नहीं हो पा रहे हैं? सीधी सी बात है, जाना था जापान पहुंच गए चीन वाली कहावत हमारे साथ लागू हो गई है। हमारे प्रयास ही गलत दिशा में और गलत चीजों के लिए होते हैं। हमारा लक्ष्य कुछ और होता है और राह हम दूसरी पकड़ लेते हैं। हम अपने जीवन का स्तर ऊंचा करने की बजाय, इसे छोड़कर दूसरी भौतिक, दिखावटी और गैर जरूरी चीजों का स्तर ऊंचा करने में जुट जाते हैं। स्टैंडर्ड ऑफ लिविंग को ऊंचा करना एक अंतहीन प्रयास है, जिसका कोई उच्चतम मापदंड आज तक कोई निश्चित नहीं कर पाया है। आप चाहे जितना महंगा सामान खरीदेंगे, आपसे भी महंगा किसी और के पास मिल जाएगा। उसे देखते ही आपका अहं, चूर-चूर हो जाएगा और खुशी काफूर हो जाएगी।

आंतरिक सुकून की राह: आपको जीवन का स्तर ऊंचा रखना है, सुकून, सुख और खुशहाली से रहना है तो जरूरतों और चाहतों में अंतर समझना होगा। जीवन का स्तर आंतरिक सुख से ऊंचा होगा, जो संतोष से प्राप्त होता है। कहा भी गया है, संतोषम् परम सुखम्। अध्यात्म, प्राणायाम, योग, ध्यान आदि को अपनाना होगा। परमार्थ की भावना, दयालुता, परोपकार, समाज की सेवा और मनुष्य मात्र के प्रति संवेदनशीलता हमें जीवन के उच्चतम स्तर तक पहुंचा सकती है। झूठ, छल, कपट, धोखाधड़ी, झूठ, ईर्ष्या, लालच, क्रोध जैसे दुखी करने वाले जंजालों से मुक्ति पानी होगी। जैसे किसी तालाब के पानी से काई, तृण, गंदगी और विषाणु निकालकर उसे हल्का, सुपाच्य और स्वस्थ पेय जल बनाया जा सकता है, वैसे ही जीवन से इन अवांछित तत्वों और नकारात्मक भावनाओं को निकाल दें तो जीवन स्वच्छ जल की मानिंद हल्का और सुकून देने वाला बन सकता है। इस प्रकार का जीवन जीने वाला स्वतः ही अपने समाज में चहेता, प्रशंसनीय, स्नेह का पात्र और आदरणीय बन जाता है। लोग उसका सम्मान करते हैं। लोगों से जब ऐसा आदरपूर्ण और स्नेहिल व्यवहार मिलेगा तो आपको अतुलनीय आंतरिक आनंद और सुकून मिल जाएगा। *

{ नवगीत / शिवचरण चौहान }

धूप आई, जान आई

धूप आई
जान आई!
शीत से मारे हुए
फूलों के मुख
मुस्कान आई।
आएगा ऋतुराज पक्का
जानते हैं हम सभी
पर शिशिर, हेमंत तो
सबको रुलाएगा अभी,
सभी के चेहरों में मीठी
धूप है मुस्कान लाई।।
धुंध, कोहरे से महीना
गले तक डूबा हुआ था।
और भारत इस अयाचित
बर्फ से ऊबा हुआ था।
आज चिड़ियों के
स्वरों में एक मधुरिम
तान आई।
धूप निकली है छिटक कर
जान में है जान आई।।

{ पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण }

कविता में उम्मीद

हाल में युवा कवि अनुराग वत्स का पहला कविता संग्रह 'उम्मीद प्रेम का अन्न है' छपकर आया है। इसमें उनकी कई छोटी कविताओं के साथ ही आत्मकथ्य भी संकलित हैं। इस पुस्तक की कई कविताएं, प्रेमानुभूति से जुड़ी बहुत बारीक संवेदनाओं को व्यक्त करती हैं। *'बात न हो, बात की याद हो/तो वह याद ही भेज दो।'* जैसी पंक्तियां मन के भीतर ठहर सी जाती हैं। प्रेम की अनुभूति से इतर भी कुछ कविताएं, अनुराग की सूक्ष्म संवेदनात्मक दृष्टि को प्रमाणित करती हैं। इस लिहाज से 'पिता:1' कविता को देख सकते हैं, जिसमें पिता शब्द को लिखे बिना ही अनुराग, मार्मिकता से उनकी अनुपस्थिति को महसूस करते हैं। इसी तरह 'हाथ की कांप' में वह दार्शनिक लहजे में जीवन और नियति को परिभाषित करते हैं। कहा जा सकता है कि किसी वाद या वैचारिकता से मुक्त ये भावसंपन्न कविताएं, आने वाले समय में अनुराग से और बेहतर रचनाओं की उम्मीद जगाती हैं। *

पुस्तक: उम्मीद प्रेम का अन्न है (कविता संग्रह), लेखक:अनुराग वत्स, मूल्य: 150 रुपए, प्रकाशक: रुख पब्लिकेशंस, नई दिल्ली

{ कहानी / शीला श्रीवास्तव }

सविता जी को इस बात की चिंता मन ही मन में सताए हुए थी कि बेटे रवि की शादी के बाद उनका प्यार बंट जाएगा। वह पत्नी का साथ पाकर उनसे दूर हो जाएगा। इसलिए वह उसकी शादी टाल रही थीं। मां के आगाध प्रेम पर केंद्रित दिल को छूती कहानी।

अलगाव

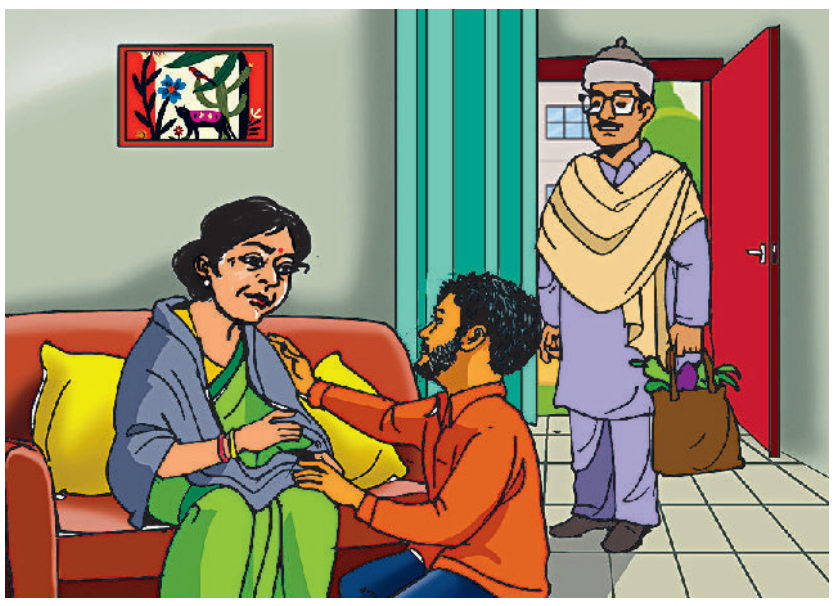

मंदिर से आकर सविता जी धम्म से सोफे पर बैठ गईं। पति जयप्रकाश जी ने धीमे स्वर में पूछा, 'क्या बात है भाग्यवान, मूड क्यों खराब है?'

'पता नहीं, लोगों को क्या पड़ी है, जो बार-बार हमारे बेटे रवि की शादी के बारे में पूछते हैं। अरे, नहीं करनी मुझे रवि की शादी। शादी के बाद वह भी हमसे अलग हो जाएगा।' सविता जी कुढ़ते हुए बोलीं।

'तुम स्वार्थी हो गई हो रवि की मां। अपने स्वार्थ के लिए तुम अपने बेटे को सदा के लिए कुंवारा रखना चाहती हो।' जयप्रकाश जी गंभीर स्वर में बोले।

'आपको जो समझना है, समझिए।' दोनों पति-पत्नी में बहस चल ही रही थी, तभी रवि आ गया। उसके आते ही दोनों ऐसे हंस-हंसकर बातें करने लगे, जैसे उनके बीच कोई हास-परिहास चल रहा हो।

दरअसल, रवि अपनी मां के मन से अनभिज्ञ अपनी एक कुलीग सुजाता से प्यार कर बैठा। एक दिन सकुचाते-सकुचाते उसने अपने दिल की बात अपनी मां से कह ही दी। सविता जी को जैसे झटका-सा लगा। वह जड़वत रह गईं। तभी रवि ने मां को झकझोरते हुए पूछा था, 'क्या सोच रही हो मां?'

'कुछ नहीं बेटा, शादी की अभी इतनी जल्दी क्या है? अभी छब्बीस की ही तो उम्र है तुम्हारी।' सविता जी अपनी भावनाओं को छुपाते हुए बोली थीं।

बस उसी दिन से रवि उदास रहने लगा। सविता जी अपने बेटे के उदासी के कारण को अच्छी तरह जानती थीं, लेकिन वह अपनी शंकाओं से मुक्त भी तो नहीं हो पा रही थीं।

एक दिन वह अपने बेटे रवि के सिर पर हाथ फेरते हुए बोलीं, 'काश! तू हमेशा बच्चा ही रहता तो कितना अच्छा होता, लेकिन अब तू बड़ा हो गया है। तुझे मां की नहीं बल्कि एक जीवन संगिनी की जरूरत है...।' लेकिन सविता जी ने वाक्य अधूरा ही छोड़ दिया। उनकी आवाज बीच में ही भर आई थी, आंखों से मोटे-मोटे आंसू टपक पड़े।

रवि अपनी मां के आंसुओं का मतलब नहीं समझ पाया, इसलिए आश्चर्य और प्रश्न भरी नजरों से मां को निहारने लगा। तभी जयप्रकाश जी ने बात संभाली, 'अरे बेटा, तुम्हारी मां डरती है कि शादी के बाद कहीं तुम्हारा प्यार बंट ना जाए।'

'ओफ्फ हो मां.. तुम भी न, कुछ भी सोचती रहती हो।' रवि हंसते हुए बोला।

रवि के ऑफिस जाने के बाद जयप्रकाश जी ने सविता जी को समझाया, 'देखो रवि की मां, हम मां-बाप को अपना फर्ज निभाना चाहिए। अब आगे चलकर बेटा-बहू हमें पूछें या ना पूछें, यह उनकी मर्जी। अपने स्वार्थ में अंधे होकर हम अपने बच्चों की खुशियों को दांव पर तो नहीं लगा सकते ना।'

जयप्रकाश जी एक पल रुक कर आगे बोले, 'अच्छा बताओ, तुम्हें ज्यादा खुशी किस बात में होगी, जब रवि कुंवारा रहकर दुखी मन से हम लोगों की सेवा करेगा या फिर अपने जीवन साथी के साथ खुशहाल जिंदगी जिएगा?'

'हां, मैं स्वार्थी हो गई थी। मेरे लिए तो मेरे बेटे की खुशी से बढ़कर कुछ और नहीं होना चाहिए। यह सही नहीं है।' सविता जी को अपने पति की बात अच्छे से समझ में आ गई थी।

दूसरे ही दिन सविता जी अपना घुटना लेकर बैठ गईं।

'क्या हुआ मां, घुटने में दर्द हो रहा है क्या?' रवि ने पूछा।

'हां रे, बहुत दर्द हो रहा है। अब मुझसे ज्यादा काम नहीं होता। ऐसा कर तू शादी कर ले।' सविता जी झूठ-मूठ दर्द से कराहती हुई बोलीं।

'क्या मां, कभी तुम कुछ बोलती हो तो कभी कुछ।' रवि सहज स्वर में बोला। जयप्रकाश जी अपनी पत्नी के बहाने को अच्छी तरह समझ रहे थे, इसलिए तपाक से बीच में बोल पड़े, 'अब तुम्हारी मां सठिया गई हैं बेटा। बहू आ जाएगी तो इनको सहारा मिल जाएगा।'

'ऐसी बात है तो मैं कल ही लड़की वालों को घर पर बुलाता हूं।' रवि खुशी से चहकते हुए बोला तो सविता जी की आंखें भर आईं। इस बार उनकी आंखों में स्नेह के आंसू थे।

जयप्रकाश जी ने राहत की सांस ली। *

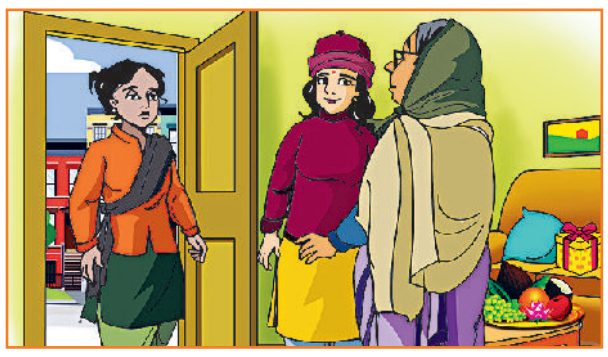

{ लघुकथा / डॉ. मोनिका शर्मा }

त्योहारी शगुन

श्वेता संक्रांति के पर्व पर दिए जाने वाले शगुन को सगे-संबंधियों और आस-पड़ोस की महिलाओं के बजाय मेड सर्वेंट्स को देती रही है। आज त्योहार के दिन सुबह-सुबह शगुन सामग्री बांटने की तैयारी में जुटी श्वेता को सासू मां ने टोका। सुहाग से जुड़ी चीजें अपनी बराबरी वालों को देने की सलाह देतीं, सासू मां के आपत्ति जताने पर उसने सहज भाव से कहा, 'इसमें बराबरी कैसी मां? यूं इस पर्व पर स्नेह स्वरूप भेंट देने की रीत पुण्य कमाने से ज्यादा परवाह के भाव से जुड़ी है। परवाह की सोच प्रेम की डोर से बंधी है। प्रेम का आधार किसी के जीवन को सहज बनाना है। सहजता किसी की आवश्यकताओं और परिस्थितियों को समझकर मदद करने की श्रद्धा से जुड़ी है।' 'अच्छा ठीक है...ठीक है।' कहते हुए सासू मां ने मुस्कुराते हुए हामी भरी। फिर थोड़ी गंभीर होकर बोलीं, 'हां, बात तो सही है। आपस में लेना-देना करने से तो इस रीत के मायने ही बदल गए। यह रिवाज बना तो सौगात स्वरूप एक-दूजे का जीवन सहज बनाने वाले सामान देने को लेकर ही है ना। समय के साथ रीत भी बदलनी ही चाहिए बहू।'

श्वेता की खुशी सासू मां का समर्थन पाकर और बढ़ गई। उसने प्यार भरे अंदाज में सूचित करते हुए कहा, 'मेरा ही नहीं, अबके बरस आपका शगुन भी ठंड के मौसम में हमारा जीवन सहज-सुविधाजनक बनाने वाली मेड सर्वेंट्स को देंगे मां।'

त्योहार के दिन घर के स्नेहमयी परिवेश में इस बात पर लगा दोनों का ठहाका डोर बेल बजते ही रुका। कड़कड़ाती ठंड में श्वेता ने ठिठके हाथों से दरवाजा खोला तो पिछले साल त्योहारी सौगात में दी स्वेटर पहने उनकी घरेलू सहायिका खड़ी थी। उसके भीतर आते ही सास-बहू ने मानवीय अनुभूतियों भरी मुस्कुराहट संग एक-दूजे की ओर देखा और शगुन की सामग्री पर जा टिकी उनकी आंखें संवेदनाओं की नमी से भीग गईं। आसमान तक छाई रंग-बिरंगी त्योहारी रौनक में आज दो पीढ़ियां परवाह के भाव से उपजे सार्थक परिवर्तन की साक्षी बनीं, विचार के बदलाव से आए व्यावहारिक परिणाम को देख रही थीं। *

लेखक ध्यान दें...

लेखक रविवार भारती में प्रकाशनार्थ अपनी रचनाएं / लेख कृपया ई-मेल आईडी haribhoomifeaturedep@gmail.com पर भेजें।

जीवन में सफल होने के लिए 'साइंस ऑफ सक्सेस' के बारे में पता होना जरूरी है। वास्तव में यह अपने सपने या लक्ष्य को पाने की दिशा में स्टेप बाई स्टेप की जाने वाली एक प्रक्रिया होती है। साइंस ऑफ सक्सेस क्या है और इसे जीवन में लागू करने के लिए क्या, कैसे कर सकते हैं, जानिए।

क्या आप जानते हैं साइंस ऑफ सक्सेस

{ सेल्फ इंप्रूवमेंट / कीर्तिशेखर }

मशहूर अमेरिकी लेखक नेपोलियन हिल की सबसे ज्यादा बिकने वाली किताब 'थिंक एंड ग्रो रिच' में साइंस ऑफ सक्सेस का जो फॉर्मूला बताया गया है। इसके मुताबिक अगर आप सफल होना चाहते हैं तो अपने लक्ष्य पर ध्यान लगाएं। लगातार ध्यान में बने रहना ही 'साइंस ऑफ सक्सेस' है। इसे सीखने के लिए कुछ टिप्स को फॉलो करना होगा।

बनाएं प्रॉपर वर्क प्लानिंग

यह सच है कि खुद को अपने लक्ष्य के प्रति फोकस्ड बनाए रखना एक बड़ी चुनौती होती है। यह चुनौती तभी सधती है, जब आप इसके लिए एक स्पेशल प्लानिंग बनाएं और उसे अपनाएं। इसके लिए अपने साथ एक ऐसी पॉकेट डायरी रखनी चाहिए, जिसमें आपके लक्ष्य लिखे हों और उन्हें दिन में कई बार निकालकर देखते रहें। अपने ज्यादातर काम आप तब करें, जब ऊर्जा से लबालब हों। और हां, किसी भी काम को करने से पहले ही उस काम का एक शेड्यूल बना लें और उन्हें पार्ट्स में डिवाइड कर लें। साथ ही शोर-शराबे से दूर रहने का इंतजाम करें। जो चीजें या कंडीशंस, बार-बार आपको लक्ष्य से भटकाएं, उनको अपने से दूर रखें, विशेषकर मोबाइल फोन।

मन को हमेशा फोकस्ड रखें

वैसे अपने काम में ध्यान केंद्रित करने के एक नहीं कई तरीके हो सकते हैं। ये तरीके तभी कारगर होते हैं, जब आप अपने मन को केंद्रित करने की कोई कारगर तरीका अपनाएं। दूसरे शब्दों में, अपने काम पर फोकस करने के लिए मन की एकाग्रता जरूरी है। हर दिन के लिए निर्धारित काम अगर आप उसी दिन कर लेते हैं, तो ना सिर्फ काम में लगातार मन लगा रहता है बल्कि यह आपको उत्साहित भी करता है। दिन में काम शुरू करने के पहले मन ही मन एक तात्कालिक लक्ष्य भी निर्धारित करें और उस लक्ष्य को हर हाल में पूरा करने की कोशिश करें। आपका मन बेहतर तरीके से किसी काम में तभी लगता है, जब आप अपने विचारों और भावनाओं को भी अपने लक्ष्य के साथ जोड़ लेते हैं। इससे मन और मस्तिष्क में दो अलग-अलग धाराएं नहीं रहती हैं।

शुभचिंतकों से लें प्रेरणा

दुनिया में जितने भी सफल लोग हुए हैं, उन सबके पास अपना फंडामेंटल साइंस ऑफ सक्सेस होता है। इसका दूसरे शब्दों में मतलब यह होता है कि साइंस ऑफ सक्सेस कोई निश्चित और तकनीकी रूप से एक ही डेफिनिशन नहीं होती, बल्कि आप जिस भी तरह से खुद को बेहतर परफॉर्म करने के लिए रेडी कर सकें, वही साइंस ऑफ सक्सेस का सबसे ठोस तरीका और फॉर्मूला होता है। कुछ लोग अपने लक्ष्य को हासिल करने में तब तक सफल नहीं होते, जब तक उन्हें किसी अन्य से इस मामले में जबरदस्त प्रेरणा ना मिले। अगर आप भी ऐसे लोगों में शामिल हैं तो अपने ऐसे शुभचिंतकों से मिलते रहें, जो आपको लगातार सफल होने के लिए प्रेरित करते रहें।

अपने मूल्य बरकरार रखें

सफल होने का एक प्रमुख सूत्र यह भी है कि आप जहां पर सक्रिय हों, वहां महत्वपूर्ण माने जाएं। यानी आपकी भूमिका

अपने क्षेत्र में महत्वपूर्ण होनी चाहिए। अगर आप अपनी मौजूदगी में महत्वपूर्ण नहीं होते तो आपके लिए किसी भी लक्ष्य को पाना आसान नहीं होता है।

रिस्क लेने से ना डरें

कुछ लोग जीवन में इसलिए भी सफल नहीं हो पाते, क्योंकि असफलता के डर से वे कभी कोई प्रयोग नहीं करते, कोई रिस्क नहीं लेते। जब आप ऐसा करते हैं तो सफल होने की संभावना बहुत कम हो जाती है। कहने का मतलब है, मनचाही सफलता पाने के लिए आपको जोखिम लेना भी सीखना होगा और गलतियां करने का साहस भी करना होगा।

महत्वाकांक्षी लोगों के साथ रहें

अगर आप ऐसे लोगों के साथ रहते हैं, जो आपकी तरह ही महत्वाकांक्षी हों, आपकी तरह ही सफल होने के सपने देखते हों और आपकी तरह ही उनके अपने लक्ष्य हों तो इसका भी फायदा आपको मिलता है। ऐसे लोगों के आस-पास होने से आप लगातार प्रेरित होते रहते हैं और जिस भी क्षेत्र में होते हैं, वहां सफलता पाने की संभावना कई गुना बढ़ जाती है।

इस तरह यहां बताई गई बातों को अगर आप अमल में लाते हैं तो आपको सफल होने से कोई रोक नहीं सकता है।*

समुद्र तट पर नमकीन सौंदर्य की छटा रण ऑफ कच्छ

गुजरात राज्य के तटीय जिले कच्छ में स्थित रण ऑफ कच्छ, अपनी प्राकृतिक सुंदरता के लिए विश्व प्रसिद्ध है। हर वर्ष नवंबर से फरवरी के मध्य यहां आयोजित होने वाले रण उत्सव में देश-विदेश के पर्यटक बड़ी संख्या में आते हैं। रण ऑफ कच्छ और रण उत्सव की खासियतों पर एक नजर।

{ टूरिस्ट स्पॉट / देवेंद्रराज सुथार }

अपने देश के गुजरात राज्य में स्थित कच्छ का रण ना केवल अपने प्राकृतिक वैभव के लिए जाना जाता है, बल्कि स्थानीय कलाकारों द्वारा आयोजित रण उत्सव के लिए भी काफी लोकप्रिय है।

कच्छ के रण की प्राकृतिक स्थितिः कच्छ का रण दिखने में बहुत आकर्षक लगता है। इसके निर्माण की प्रक्रिया प्रकृति स्वयं नियंत्रित करती है। हर वर्ष गर्मियों के बाद मानसून के आगमन के साथ ही कच्छ की खाड़ी का पानी इस रेगिस्तान में आ जाता है, जिससे सफेद रण जुलाई से नवंबर के बीच एक विशाल समुद्र जैसा दिखाई देने लगता है। लगभग 26 हजार वर्ग किमी. क्षेत्रफल में फैला कच्छ का रण सिकंदर के समय में एक नौगम्य झील हुआ करती थी। अब यह दो भागों में बंट गया है। उत्तरी रण यानी ग्रेट रण ऑफ कच्छ और पूर्वी रण यानी लिटिल रण ऑफ कच्छ। यहां का तापमान गर्मियों में 44 से 50 डिग्री तक बढ़ जाता है, जबकि सर्दियों में शून्य से नीचे चला जाता है।

कच्छ के रण का इतिहासः ऐतिहासिक तथ्यों के अनुसार कच्छ पर पहले सिंध के राजपूतों का शासन हुआ करता था, लेकिन बाद में जडेजा राजपूत राजा खेंगरजी के समय भुज को कच्छ की राजधानी बना दिया गया। सन् 1741 में राजा लखपतजी कच्छ के राजा बने। 1815 में अंग्रेजों ने डूंगर पहाड़ी पर कब्जा कर लिया और कच्छ को ब्रिटिश जिला घोषित कर दिया गया। ब्रिटिश शासन काल में ही कच्छ में रंजीत विलास महल, मांडवी का विजय विलास आदि महल भी बनवाए गए।

भारत को मिला कच्छ का रणः आज कच्छ के रण का अधिकांश भाग भारत के गुजरात में है, जबकि कुछ भाग पाकिस्तान में है। अप्रैल 1965 में रण के पश्चिमी छोर पर भारत-पाक सीमा को लेकर लड़ाई छिड़ गई थी। बाद में ब्रिटेन के हस्तक्षेप से यह युद्ध खत्म हुआ। संयुक्त राष्ट्र के तत्कालीन महासचिव द्वारा सुरक्षा परिषद को भेजी गई रिपोर्ट के आधार पर इस विवादित मामले को ट्रिब्यूनल को भेजा गया। ट्रिब्यूनल ने 1968 में फैसला सुनाया कि रण का 10 प्रतिशत हिस्सा पाकिस्तान के पास और 90 प्रतिशत हिस्सा भारत के पास रहेगा। इस तरह एक साल बाद 1969 में कच्छ के रण का विभाजन हो गया।

आकर्षक होता है रण उत्सवः हर साल 8 से 10 लाख पर्यटक नवंबर से फरवरी तक आयोजित होने वाले कच्छ रण उत्सव को देखने, चांदनी रात के खुले आसमान में सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आनंद लेने, के लिए यहां आते हैं। यहां पर्यटकों को कई तरह की कलाओं और उनमें दक्ष लोगों से रूबरू होने का मौका मिलता है। रण उत्सव के दौरान कई कलाकार अपनी कला के जरिए रेत पर भारत के इतिहास की झलक दिखाते हैं। पिछले कई वर्षों में रण उत्सव के दौरान कलाकारों ने रामायण से लेकर स्वामी विवेकानंद की कच्छ यात्रा तक के पात्रों को अपनी कला में प्रदर्शित किया है। यहां आकर स्थानीय लोगों की जीवनशैली और हस्तशिल्प कला से भी रूबरू हो सकते हैं। रण उत्सव के दौरान भुज से पांच किमी. दूर रण मैदान के मध्य धोरडो गांव के पास एक पर्यटक शिविर लगाया जाता है, जहां देशी-विदेशी पर्यटकों को सभी सुविधाओं के साथ ठहराया जाता है। यहां आप डेजर्ट पेट्रोलिंग व्हीकल पर रेगिस्तान में सवारी का आनंद भी ले सकते हैं। इतना ही नहीं, इस रेगिस्तान में आपको लोमड़ी और राजहंस की दुर्लभ प्रजातियां भी देखने को मिलेंगी। भुज के पास भुजोड़ी नाम का एक गांव है, जहां वानकर समुदाय के लगभग 1,200 कारीगर रहते हैं। ये लोग यहां कपड़ा और हस्तशिल्प इकाइयों में काम करते हैं। यहां बुनकरों, ब्लॉक प्रिंटर और टाई-डाई कलाकारों से मिलने और उनके शिल्प के बारे में जानने का मौका मिलता है।

ऐसे पहुंचें कच्छ के रणः भुज, कच्छ के रण के बहुत करीब है। सभी प्रमुख शहरों के हवाई अड्डों और रेलवे स्टेशनों से यहां आया जा सकता है। भुज से रण की दूरी सिर्फ 80 किमी है। आप चाहें तो भुज से गुजरात टूरिज्म बस की सुविधा भी ले सकते हैं, जो आपको सीधे कच्छ के रण तक ले जाएगी। अगर आप फ्लाइट से आना चाहते हैं, तो बेंगलुरु, दिल्ली, मुंबई, कोलकाता, तिरुवनंतपुरम और गोवा से सीधी फ्लाइट भुज एयरपोर्ट के लिए चलती हैं। अगर आप ट्रेन से कच्छ जाना चाहते हैं, तो भुज एक्सप्रेस और हजरत एक्सप्रेस दिल्ली से चलती हैं। अगर आप सड़क मार्ग से आना चाहते हैं, तो दिल्ली, मुंबई, पुणे और जोधपुर से कच्छ के रण तक पहुंच सकते हैं।*

कई तरह से फायदेमंद बादाम का पेड़

{ जानकारी / वीना गौतम }

बादाम एक मेवा है, मेवा यानी सूखा फल। बादाम को अंग्रेजी में ऑल्मंड, संस्कृत में वाताद या वातवैरी, हिंदी, मराठी, गुजराती और बांग्ला में बादाम और फारसी में बदाम शोरी कहते हैं। बादाम का पेड़ 4 से 12 मीटर तक ऊंचा होता है। बादाम के पेड़ में गुलाबी, सफेद फूल लगते हैं, फिर इन्हीं में फल बनता है।

अमेरिका में सर्वाधिक उत्पादनः जहां तक बादाम उत्पादन की बात है, तो अमेरिका इसमें पहले स्थान पर है। दुनिया में बादाम की कुल आपूर्ति का 80 प्रतिशत अमेरिका के कैलीफोर्निया से होती है।

भारत में बादाम की खेतीः भारत में बादाम उत्पादन सबसे ज्यादा जम्मू-कश्मीर में होता है। भारत में पैदा होने वाले कुल बादाम का 85 फीसदी हिस्सा जम्मू-कश्मीर से ही आता है। जम्मू-कश्मीर के पुलवामा, शोपियां, कुलगाम, गांदरबल और बारामूला जिले बादाम के प्रमुख उत्पादक हैं। भारत में शेष पैदा होने वाले बादाम में से करीब 8 फीसदी हिमाचल प्रदेश, लद्दाख में होता है।

बढ़ रही बादाम की मांगः आयुर्वेद में बादाम को बुद्धि और नसों के लिए गुणकारी बताया गया है। जैसे-जैसे दुनिया भर में लोगों को स्वास्थ्य के प्रति सजगता आ रही है, बादाम की मांग बढ़ती जा रही है।

कमाई का बेहतरीन विकल्पः अमूमन बादाम 600 रुपए प्रति किलो से कम का नहीं मिलता और अच्छी क्वालिटी वाले बादाम की कीमत 1,000 रुपए प्रति किलो होती है। इसीलिए किसानों के लिए बादाम की खेती ज्यादा फायदेमंद होती है, इसलिए देश के कई हिस्सों में बादाम के पेड़ लगाने के प्रति किसान अधिक आकर्षित हो रहे हैं। एक बार बादाम का पेड़ तैयार हो जाए तो यह 50 साल तक फल देता है।*

विशेषः मकर संक्रांति

{ सिने-जगत / अशोक जोशी }

मकर संक्रांति के अवसर पर खूब उत्साह-उमंग से पतंग उड़ाई जाती है। हिंदी फिल्मों में इस पर्व को तो नहीं, लेकिन पतंग के टाइटल वाली फिल्में और उस पर आधारित गीत खूब बनते रहे हैं। पतंग टाइटल वाली कुछ चर्चित फिल्मों और गीतों पर एक नजर।

सिनेमा-पर्दे पर भी खूब उड़ी हैं पतंगें

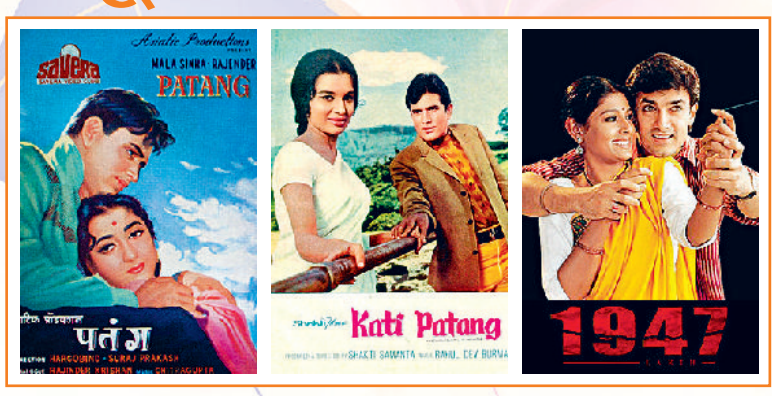

मकर संक्रांति का त्योहार पूरे देश में मनाया जाता है। विशेष रूप से उत्तर भारत में बड़े ही धूमधाम से इसे लोग मनाते हैं। इस दिन दान-स्नान के साथ ही पतंग उड़ाने की परंपरा भी है। इसी वजह से मकर संक्रांति को पतंग पर्व के रूप में भी जाना जाता है। पतंगबाजी ने ना केवल समाज में लोकप्रियता बटोरी बल्कि सिनेमा के पर्दे पर भी पतंगें खूब उड़ी हैं। फिल्मों के पतंग के टाइटल से लेकर इस पर आधारित गाने लोगों के दिलों में बसे हैं। आज भी मकर संक्रांति के अवसर पर पतंग से जुड़े गीतों को बजाया-गुनगुनाया जाता है।

पतंग टाइटल वाली फिल्में

1960 में 'पतंग' नाम से एक फिल्म आई थी। इस फिल्म में राजेंद्र कुमार, माला सिन्हा, राज मेहरा, मनोरमा और अचला सचदेव ने काम किया था। फिल्म का नाम 'पतंग' क्यों रखा यह तो निर्माता ही जाने, लेकिन इस फिल्म में पतंग पर आधारित एक गीत 'यह दुनिया पतंग नित बदले हैं रंग' था। जिसे एक बार सुखद और दूसरी बार दुखद भाव में फिल्माया गया था। इसके बाद फिल्मों में पतंग पर आधारित गीत और प्रसंग तो आते रहे लेकिन शीर्षक से पतंग नदारद हो गई। 11 साल बाद फिल्म 'कटी पतंग' ने इस सूनेपन को समाप्त किया। फिल्म की नायिका की स्थिति को चित्रित करने वाले शीर्षक की यह फिल्म, राजेश खन्ना और आशा पारेख के अभिनय और आरडी बर्मन के मधुर संगीत की वजह से खूब चली। इस फिल्म में एक गीत 'ना कोई उमंग है...' के दौरान उड़ती पतंग इस फिल्म में पर्दे पर दिखाई भी दी।

रील-रियल लाइफ में पतंगबाज एक्टर

ऐसा कहा जाता है कि बॉलीवुड में दिलीप कुमार ऐसे अभिनेता थे, जिनको पतंग उड़ाने में महारत हासिल थी। जब वह अपने घर की छत पर पतंग

फिल्म 'हम दिल दे चुके सनम' में सलमान खान

उड़ाते थे तो बॉलीवुड के कई नामी निर्माता उनके पतंग के साथ डोर की चरखियां थामने को बेकरार रहते थे। इसी तरह सलमान खान ने भी ना केवल वास्तविक जीवन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी(जब वे गुजरात के मुख्यमंत्री थे) के साथ पतंग उड़ाई है, बल्कि फिल्म 'सुल्तान' में पतंग लूटने के दृश्य में भी वे नजर आए हैं। उन्होंने फिल्म 'हम दिल दे चुके सनम' में ऐश्वर्या राय के साथ प्यार की पतंग खूब उड़ाई थी।

पतंग पर आधारित गीत

जहां तक गानों की बात है तो हिंदी फिल्मों में पतंगों पर भी कई गाने बने और हिट हुए हैं। पतंग पर आधारित गीतों का सिलसिला 1949 में प्रदर्शित फिल्म 'दिल्लगी' से शुरू हुआ। फिल्म का गीत 'मेरी प्यारी पतंग चली बादलों के संग' तब बहुत लोकप्रिय हुआ था। इसके बोल ऐसे दिल में उतरने वाले थे कि उस दौर में पतंग उड़ाते समय लगभग हर युवा यही गीत गुनगुनाते दिखाई पड़ता था। ऐसा ही एक गीत 'चली चली रे पतंग मेरी चली रे' सन् 1957 की फिल्म 'भाभी' में जगदीप और नंदा पर फिल्माया गया था। फिल्म में पतंग उत्सव को प्रदर्शित करता यह गीत आज भी मकर संक्रांति पर टीवी चैनल और रेडियो पर सुनाई दे जाता है।

नए दौर में फिल्म 'रईस' का सुखविंदर और भूमि त्रिवेदी का गाया गीत 'उड़ी-उड़ी जाए' पतंग महोत्सव का मजा देते हुए झूमने पर मजबूर कर देता है। फिल्म 'काई पो छे!' का 'मांझा' गीत में जिंदगी के एक नए नजरिए को दिखाने की कोशिश की गई। इसके जरिए जिंदगी, रिश्ते और जज्बे की दास्तां बयां की गई।

फिल्म 'हम दिल दे चुके सनम' का 'ढील दे दे रे भइया' गीत पतंग उड़ाने के दौरान अकसर लोगों के मुंह से निकल ही जाता है। यह गाना काफी लोकप्रिय भी हुआ था। फिल्म 'अर्थ' के गीत 'रुत आ गई रे' में आमिर खान फिल्म की नायिका को पतंग उड़ाना सिखाते दिखते हैं। यह एक रोमांटिक गीत है, जिसे एआर रहमान ने अपनी आवाज दी है। फिल्म 'फुकरे' के गीत

फिल्म 'फुकरे' के गीत 'अंबरसरिया..' का एक सीन

'अंबरसरिया' में भले ही पतंग शब्द का जिक्र ना हुआ हो लेकिन इसमें पतंगबाजी के दौरान होने वाली अठखेलियों को बड़े ही मजेदार ढंग से दर्शाया गया है। पतंग पर अपनी प्रेमिका को प्यार भरा मैसेज लिखकर भेजना दर्शकों को उस दौर में ले जाता है, जब छतों पर पतंगों के जरिए प्यार हुआ करता था।

जिन फिल्मों में पतंग शीर्षक या पतंग पर आधारित गीत नहीं होते हैं उन फिल्मों में पतंगबाजी के दृश्यों ने दर्शकों को लुभाया है। उनमें से एक फिल्म 'दिल्ली 6' है, जिसमें पतंग के जानदार दृश्य देखने को मिले।*

{ सोशल इश्यू / दिनेश प्रताप सिंह 'चित्रेश' }

यह बेहद चिंताजनक बात है कि बाजार की चमक-दमक के जाल में हमारे नौनिहाल फंसते जा रहे हैं। ऐसे में पैरेंट्स ही नहीं सारे समाज को सजग रहने की जरूरत है।

बहुत चिंताजनक है बचपन का बाजारीकरण

अगर यह कहा जाए कि वैश्वीकरण के मौजूदा दौर में सारा देश-समाज बाजार में तब्दील होने लगा है तो गलत नहीं होगा। चिंताजनक बात यह है कि इस बदलाव ने बचपन का भी बाजारीकरण करना शुरू कर दिया है। इसी का परिणाम है कि बच्चों के लिए उपयोगी वस्तुओं के साथ फ्रिज, वाशिंग मशीन, बाइक, कार, फर्नीचर जैसी महंगी खरीददारी में भी बच्चे बाजार के अनुकूल अपनी सहमति देने लगे हैं। मजे की बात यह कि अधिकांश मां-बाप को शायद ही इसका रंच मात्र आभास हो कि उनके बच्चों को करोड़ों की खरीद-फरोख्त के बाजारू जाल में फंसाया जा चुका है।

विज्ञापनों की बड़ी भूमिकाः सर्वेक्षण रिपोर्टों के अनुसार, बच्चों को बाजार के चंगुल में फंसाने में टेलीविजन और विभिन्न माध्यमों के विज्ञापनों का बड़ा हाथ है। सूचना माध्यमों का विज्ञापन एक तरीका है, जो हमारी आवश्यकताओं के अनुसार विकल्प प्रस्तुत करते हैं, जिसमें से हम अपनी जरूरत के अनुसार वस्तुओं का चयन कर सकते हैं। लेकिन बच्चों में विवेक कम होता है। आठ-दस साल का बच्चा यह नहीं जान सकता कि टीवी पर जगमगाते विज्ञापन वास्तविकता से कोसों दूर सिर्फ वस्तु के प्रचार होते हैं।

मीडिया की सुनियोजित प्लानिंगः बाजार की ताकतें जीवन की बदलती प्राथमिकताओं और स्थितियों के बीच अपना वर्चस्व स्थापित करना जानती हैं। माता-पिता अपनी भाग-दौड़ भरी जिंदगी के कारण बच्चों को पर्याप्त समय नहीं दे पाते हैं। परिणामतः बच्चे अकेलेपन का शिकार हो रहे हैं। वह अपना अकेलापन बांटने के लिए निरंतर टीवी चैनलों या सोशल मीडिया के संपर्क में रहते हैं। मार्केटिंग तंत्र इसका पूरा फायदा उठाने में लगा रहता है। यह टीवी पर प्रसारित होने वाले उन्हीं सीरियलों को विशेष रूप से स्पांसर करता है, जिसमें पारंपरिक मूल्यों से मुक्त चमक-दमक भरी पाश्चात्य शैली की जिंदगी दिखाई गई होती है, जबकि औसत हिंदुस्तानी बच्चे का पारिवारिक परिवेश इससे एकदम अलग किस्म का होता है। लेकिन मासूम बच्चे यह अंतर नहीं समझ पाते हैं। वह टीवी वाली जिंदगी को सत्य मानकर उसे अपने जीवन में उतारना चाहता है।

इसके अलावा बच्चों का ध्यान खींचने के लिए तीन चौथाई विज्ञापनों में बच्चों से ही एक्टिंग करवाई जाती है। विज्ञापन का बच्चा, बाल दर्शकों को खूब आकर्षित करता है। वे विज्ञापन वाले बच्चे जैसा स्वयं भी दिखना चाहते हैं। इसलिए उन्हें वैसा ही स्कूल बैग, जूता, कैप, खिलौने, शर्ट वगैरह तो चाहिए ही, घरेलू समान भी विज्ञापन वाले बच्चे के मम्मी-पापा जैसा ही चाहते हैं। वास्तव में बच्चे जो देखते हैं, वही सीखते हैं।

नमिता उन्नीकृष्णन और शैलजा वाजपेयी द्वारा किए गए 'द इंपैक्ट ऑफ टीवी एडवरटाइजिंग ऑन चिल्ड्रेन' शीर्षक के अध्ययन के अनुसार, आठ से पंद्रह साल के पचहत्तर प्रतिशत बच्चे टेलीविजन विज्ञापनों में प्रदर्शित उत्पादों को हासिल करना चाहते हैं।

हम सभी बनें सजगः आधुनिक भारतीय समाज अपने अंदर विरोधाभास को समेटे हुए जी रहा है। एक तरफ संपन्नता और विलासिता में डूबे कुछेक लाख लोग और उनका पिछलग्गू बड़ा मध्यवर्ग है। दूसरी तरफ एक बहुत बड़ी आबादी जीवन की मूलभूत सुविधाओं से वंचित घुट रही है। लेकिन इस संवर्ग के बच्चे और किशोर विज्ञापनों के प्रभाव में, अपने ही आयुवर्ग के संपन्न परिवार के संतानों जैसा जीवन जीने की ललक रखने लगते हैं। इस प्रवृत्ति को दूर करने के लिए केवल चिंता जताने से कुछ नहीं होगा, सभी पैरेंट्स, समाज और नीति निर्धारकों को इस दिशा में कारगर कदम भी उठाने होंगे।*